CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186

राजस्थान,दिल्ली,छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित

Tital Code:RAJHIN27921

मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com

मो.7014373732

वर्षः 01 | अंकः 342 | जयपुर | 30 जुलाई 2023 | रविवार | मूल्यः रु. 5 | पृष्ठः 04

राजधानी में शनिवार को आई तेज बारिश से जयपुर जलमग्न हो गया। रामगढ़ बांध के आसपास झरने बहने लगे तो जलमहल पानी से लबालब हो गया। जलमहल से सटी आमेर रोड भी बरसाती पानी से लबालब हो गई। शहर के ब्रह्मपुरी, परकोटा, आमेर, मुरलीपुरा आदि इलाकों में पानी भर गया। सीकर रोड पर चौमूं पुलिया से जोड़ला पावर हाउस तक पानी ही पानी हो गया। बरसाती पानी से लबालब सड़क से गुजरते ट्रेक्टर व जीप से हिलोरें लेता पानी।

तेज बरसात से जयपुर जलमग्न

शहर में आई तेज बरसात से ब्रह्मपुरी, सुभाष चौक, रामगंज बाजार, जल महल, आमेर रोड सहित कई जगहों पर

जयपुर। राजधानी जयपुर में शनिवार अल सुबह साढ़े तीन बजे से शुरू हुई बरसात ने जन जीवन ठप सा कर दिया। सुबह से शुरू हुई बरसात का दौर करीब दस घंटे जारी रहा। एक ही रफ्तार में बरसी काली घटाओं ने जयपुर को जल मग्न कर दिया। जहां देखो वहां पानी ही पानी नजर आया। शहर के अधिकांश इलाकों में करीब आधा फीट से ऊपर पानी सड़कों पर बहता हुआ नजर आया। वहीं निचले इलाकों में तीन फीट पानी हिलोर ले रहा था। इधर तेज बरसात भी पुरुषोत्तम एकादशी के दिन गोविंद देव जी के भक्तों को नहीं रोक सकी। अटूट आस्था के तहत मंदिर में मंगला झांकी में करीब पांच हजार से ज्यादा दर्शनार्थियों ने दर्शन कर लाभ उठाया। भारी बारिश में भी भक्तों ने ठाकुर जी के दर्शन कर भजन कीर्तन का खूब लुत्फ उठाया। शहर में आई तेज बरसात ने ड्रेनेज व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी। ब्रह्मपुरी, सुभाष चौक, रामगंज बाजार, जल महल, आमेर रोड सहित कई जगहों पर पानी भर गया और अपनी नालियों को छोड़कर रोड पर बहना लगा। पानी के तेज बहाव से जल महल की दीवार भी ढ़ह गई। जल महल का और चार दीवारी का सारा पानी पानी बह कर दिल्ली रोड मान बाग पर जा टकरा, जिसके चलते मान बाग पर काफी पानी जमा हो गया, वहां पर यातायात की स्थित काफी खराब हो गई। करबला में भी बाढ़ जैसे हालत देखने को मिले। वहां भी यातायात रेंग रेंग कर चलता हुआ नजर आया। करबला में बरसात के मिजाज को देखते हुए बडी संख्या लोग काफी उदास नजर आए। आज उन्हें ताजिए सुपुर्दे -ए- खाक करने थे, लेकिन तेज बरसात के चलते कई लोगों ने अपने ताजियों को बाहर खुली हवा के दर्शन ही नहीं कराए। भट्टा बस्ती इलाके में कच्चा मकान ढहने से सात लोग दब गए। सूचना पर मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने सभी लोगों को रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित स्थान पर भिजवा दिया। ब्रह्मपुरी इलाके में भी एक पुराना मकान ढह गया। कंवर नगर इलाके में राजकीय कॉलेज की दीवार भी गिर गई। भारी बरसात से कमला नेहरू नगर, भांकरोटा, मुकुंदपुरा रोड की काफी हालत खराब रहीं। जिसके चलते यहां की यातायात स्थित काफी खराब रहीं। भांकरोटा से लेकर कमला नेहरू नगर पुलिया पर घुटनों तक पानी जमा हो गया। जिससे काफी लम्बा जाम लग गया। सीकर रोड ने तो नदी का रूप ले लिया। उधर द्रव्यवती नदी भी उफान मारने लगी। जलमहल के भरने के कारण कानोता बांध में चादर चलने लगी। शहर में एमआई रोड, बनीपार्क, हवा महल के आसपास के इलाकों में भी काफी पानी जमा हुआ। यहां पर यातायात की स्थिति भी काफी खराब रही, सड़क के दोनों ओर काफी पानी जमा हो गया, जिससे भी यातायात काफी बाधित रहा। बरसात के बिगडे मिजाज के चलते जल भराव हो जाने के कारण उत्तर पश्चिम रेलवे चार ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द कर दिया। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया कि भारी बरसात और जल भराव को देखते हुए चार ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द किया गया है।

बरसाती पानी में बहा युवक, शव देख बहिन ने जान दी

बीकानेर जिले के कोलायत-बज्जू के गांवों में दो दिन से हो रही तेज बारिश के बाद कई बरसाती नदियां चल पड़ी है। गिरिराजसर-गड़ियाला की ओर से तेज नदी आने की सूचना पर लगभग 19 वर्षीय संदीप खिलेरी बज्जू से पांच किलोमीटर दूर इस नदी को देखने गया। बताया जाता है कि जहां खड़ा था वहां कटान हो जाने से वह पानी में बहने लगा। पास ही मौजूद उसके पिता भागीरथ बचाने के लिए पानी में उतरे लेकिन थाम नहीं पाए। थोड़ी ही देर में संदीप की मौत हो गई। बज्जू के पास चार बीजेएम में रहने वाले भागीरथ खिलेरी के घर जैसे ही यह सूचना पहुंची परिवार के साथ संदीप की 22 वर्षीय बहिन रेखा भी बज्जू हॉस्पिटल पहुंच गई। यहां भाई का पोस्टमार्टम होते देख वह सह न पाई। वहां से निकली और चुपचाप डिग्गी में कूद गई। उसे बज्जू हॉस्पिटल लाया गया जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। सगे भाई-बहिन की मौत से पूरे बज्जू में शोक की लहर छाई है।

पूर्व सीएम वसुंधरा,सुनील बंसल और डॉ. अल्का सिंह बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा टीम में बरकरार

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सुनील बंसल को राष्ट्रीय महामंत्री और डॉ. अल्का सिंह गुर्जर को राष्ट्रीय सचिव के पद पर रखा

जयपुर. बीजेपी ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा की है। इसमें राजस्थान से तीन नेता शामिल किए गए हैं। तीनों नेताओं को पुराने पदों पर बरकरार रखा गया है। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सुनील बंसल को राष्ट्रीय महामंत्री और डॉ. अल्का सिंह गुर्जर को राष्ट्रीय सचिव के पद पर बरकरार रखा गया है। यह भी संयोग है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के जयपुर में चुनावी बैठक लेने के ठीक पहले राष्ट्रीय टीम घोषित की गई है। नड्?डा शनिवार को 15 दिन में दूसरी बार राजस्थान के नेताओं की बैठक लेकर टास्क दे रहे हैं। राजे को विधानसभा चुनावों से ठीक पहले राष्ट्रीय टीम में उपाध्यक्ष बरकरार रखकर पार्टी में सियासी मैसेज दिया गया है। बीजेपी ने यह भी संकेत दिए हैं कि जनाधार वाले नेताओं को राष्ट्रीय स्तर पर एक्टिव किया जाएगा। वसुंधरा को पिछले दिनों झारखंड भेजा गया था। राजस्थान विधानसभा चुनावों से पहले भी वे सभाएं कर रही हैं। पिछले दिनों कोटा में बड़ी सभा हुई थीं। राजे को अब राजस्थान के साथ दूसरे राज्यों में भी चुनावी टास्क दिए जाने की संभावना है। बीजेपी की रणनीति जनाधार वाले नेताओं को एक ही राज्य तक सीमित करने की बजाय उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर भी सक्रिय करने की है। पार्टी ने यह भी संकेत देने का प्रयास किया है कि राजस्थान में सामूहिक लीडरशिप में चुनाव लड़ा जाएगा। राजस्थान बीजेपी में सीएम चेहरे को लेकर अब भी अंदरखाने खींचतान जारी है। इस खींचतान को दूर करने के लिए सामूहिक लीडरशिप में चुनाव लड़ने का

संकेत दिया गया है। राजस्थान में पार्टी चुनाव से पहले किसी तरह के चेहरे के विवाद को टालने के लिए वरिष्ठ नेताओं को संकेत दे चुकी है। राजे को राजस्थान की चुनावी सभाओं में भी बराबर महत्व दिया जा रहा है। वसुंधरा राजे की गिनती बीजेपी में जनाधार वाले नेताओं में की जाती है। राजस्थान में वे दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। उनकी लीडरशिप में बीजेपी को दोनों बार ऐतिहासिक बहुमत मिला। साल 2003 में वसुंधरा राजे की अगुवाई में लड़े गए चुनाव में बीजेपी ने 200 में से 120 सीट जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। 2008 में बीजेपी हार गई, लेकिन उसे 78 सीटें मिली। 2013 में फिर वसुंधरा राजे की अगुवाई में बीजेपी ने राजस्थान के चुनावी इतिहास में सबसे ज्यादा 163 सीटों पर जीत दर्ज की। 2018 के चुनावों में बीजेपी हारी, लेकिन उसकी सीटें 73 थीं। वसुंधरा की लीडरशिप में अब तक चार चुनाव लड़े गए, जिनमें दो बार बीजेपी की सरकार बनी, दो बार बीजेपी हारी, लेकिन उसकी सीटें विपक्ष में भी 70 से कम नहीं हुई। यह भी फैक्ट है कि राजे की अगुवाई में लड़े गए चुनावों में दो बार बीजेपी सरकार बनी उस वक्त कांग्रेस की बुरी तरह हार हुई। 2003 में कांग्रेस 56 सीटों पर और 2013 में 21 सीटों पर सिमट गई थी। बीजेपी में अब चुनाव कमेटियों के गठन का इंतजार है। वसुंधरा राजे को किस चुनाव कमेटी का प्रमुख बनाया जाता है। उससे उनके रोल को लेकर बहुत कुछ साफ हो जाएगा। राजे के समर्थक भी उसी के इंतजार में हैं। उन्हें कैंपेन कमेटी या प्रमुख चुनावी कमेटी का अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा है।

- भाजपा पार्षद योगेश जोशी की करंट लगने से मौत

भारतीय जनता पार्टी बांसवाड़ा के वरिष्ठ नेता और तीन बार के भाजपा पार्षद रहे योगेश जोशी की शनिवार सुबह शहर के पाला रोड स्थित भैरव जी मंदिर के दर्शन करने के दौरान करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। बांसवाड़ा शहर के वार्ड नंबर 9 के पार्षद योगेश जोशी नियमित दिनचर्या के तहत सुबह भैरव जी मंदिर दर्शन के लिए पहुंचे तो मंदिर के पास लोहे का तार था जिसको वह हटाने गए तो उसी समय उनको करंट लग और वह उससे चिपक गए। काफी देर तक लोगों ने उसको छुड़ाने की कोशिश की लेकिन करंट का झटका इतना जोर से था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

शिक्षा में देश की किस्मत बदलने की ताकत:नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली. नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के तीन साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दिल्ली के प्रगति मैदान अखिल भारतीय शिक्षा समागम में पहुंचे। दो दिन तक चलने वाला यह कार्यक्रम भारत मंडपम में आयोजित किया जा रहा है, जिसका इनॉगरेशन मोदी ने 26 जुलाई को किया था। इस दौरान ढट ने 14 हजार 500 पुराने स्कूलों को स्मार्ट बनाने के लिए पीएम श्री स्कीम के तहत दी जाने वाली रकम की पहली किस्त जारी की। कार्यक्रम में मोदी ने कहा कि यह शिक्षा ही है जो देश की किस्मत बदलने की ताकत रखती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने ट्रेडिशनल नॉलेज सिस्टम और भविष्य की तकनीक को समान महत्व दिया है। हमारी शिक्षा प्रणाली आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी को अपनाते हुए भारत की परंपराओं को संरक्षित कर रही है। मुझे खुशी है कि हम चर्चा और संवाद की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। पीएम श्री स्कीम का पूरा नाम प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया है। इसके तहत देश के 14 हजार 500 पुराने स्कूलों का अपग्रेडेशन करके उन्हें आधुनिक विद्यालयों में बदलना है। इससे स्कूलों को मॉडर्न बनाकर बच्चों को स्मार्ट एजुकेशन से जोड़ा जा सकेगा। इस प्रोजेक्ट के तहत साल 2022-23 से 2026 तक पांच साल में इन स्कूलों पर कुल 27 हजार 360 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। अपग्रेड किए गए स्कूलों में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के मुताबिक पढ़ाई होगी। और स्कीम के तहत चुने गए स्कूल अपने-अपने क्षेत्रों के दूसरे स्कूलों को मेंटरशिप देंगे और नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के गोल अचीव करने के लिए लीडरशिप भी देंगे। इस स्कीम के तहत ग्रीन स्कूल डेवलप किए जाएंगे। इनमें सोलर पैनल, छएऊलाइट, वेस्ट मैनेजमेंट, जीरो प्लास्टिक यूज और जल संरक्षण को शामिल किया जाएगा। साल 2020 में नई एजुकेशन पॉलिसी को लागू किया गया था। 1986 के बाद यानी 34 साल बाद देश की शिक्षा नीति में बदलाव हुआ था। इसमें बच्चे के प्राइमरी स्कूल में एडमिशन से लेकर हायर एजुकेशन कर जॉब फोर्स से जुड़ने तक काफी बदलाव किए गए हैं। नई शिक्षा नीति का ड्राफ्ट इसरो के वैज्ञानिक रह चुके शिक्षाविद के. कस्तूरीरंगन के नेतृत्व वाली कमेटी ने बनाया था। 6 से 9 वर्ष के बच्चों के लिए बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान पर फोकस होगा। इसके लिए नेशनल मिशन बनेगा। पूरा फोकस होगा कक्षा 3 तक के बच्चों का फाउंडेशन मजबूत बने। कक्षा 5 तक तक आते-आते बच्चे को भाषा और गणित के साथ उसके स?तर का सामान्य ज्ञान होगा। डिस्कवरी और इंटरेक्टिवनेस इसका आधार होगा यानी खेल-खेल में सारा सिखाया जाएगा। कक्षा 6-8 तक के लिए मल?टी डिसीप्लीनरी कोर्स होंगे। एक्टिविटीज के जरिये पढ़ाएंगे। कक्षा 6 के बच?चों को कोडिंग सिखाएंगे। 8वीं तक के बच्चों को प्रयोग के आधार पर सिखाया जाएगा। कक्षा 9 से 12 तक के बच?चों के लिए मल्टी-डिसीप्लीनरी कोर्स होंगे। यदि बच्चे की रुचि संगीत में है, तो वह साइंस के साथ म्यूजिक ले सकेगा। केमेस्ट्री के साथ बेकरी, कुकिंग भी कर सकेगा। कक्षा 9-12 में प्रोजेक?ट बेस्ड लर्निंग पर जोर होगा। इससे जब बच?चा 12वीं पास करके निकलेगा, तो उसके पास एक स्किल ऐसा होगा, जो आगे चलकर आजीविका के रूप में काम आ सकता है।

खास बात यह है कि इस बार भी यात्रा राजस्थान से होकर निकलेगी

राहुल गांधी फिर निकालेंगे भारत जोड़ो यात्रा

जयपुर. कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा पार्ट जल्द ही शुरू करेंगे। खास बात यह है कि इस बार भी यात्रा राजस्थान से होकर निकलेगी। यात्रा का रूट दक्षिण जिलों से निकालने की तैयारियां चल रही हैं। चुनावी माहौल को देखते हुए राहुल गांधी आदिवासी वोटर्स को साधने का प्रयास करेंगे। उनका यह दौरा राजस्थान की 10 लोकसभा और 60 के करीब विधानसभा क्षेत्रों पर फोकस करते हुए फाइनल किया जाएगा। यात्रा 15 अगस्त या 2 अक्टूबर से शुरू होने की संभावना है। पूरी यात्रा का रूट करीब 3,400 से 3,600 किलोमीटर लंबा होगा। राजस्थान में यह कम से कम तीन से चार जिलों के करीब 300 किलोमीटर का एरिया कवर करेगी। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने बताया कि यात्रा के फाइनल रूट पर जल्द ही एआईसीसी के स्तर पर दिल्ली से यात्रा का पूरा ब्यौरा जारी किया जाएगा। भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों को राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अंतिम रूप दे रहे हैं। तिथि कौन सी होगी, इस पर अंतिम निर्णय भी खड़गे ही करेंगे। यात्रा गुजरात के पोरबंदर से शुरू होकर अहमदाबाद पहुंचेगी। अहमदाबाद के बाद क्या रूट होगा इसकी तीन संभावनाओं पर विचार चल रहा है। यात्रा को वहां से राजस्थान और फिर मध्यप्रदेश में किस तरह से प्रवेश करवाया जाए। पिछली बार दक्षिण से उत्तर (केरल से कश्मीर) की यात्रा में भी राजस्थान शामिल था। तब यह यात्रा झालावाड़ से प्रवेश कर अलवर के रास्ते हरियाणा में चली गई थी। इस बार

राजस्थान के दक्षिणी जिलों को रूट मैप में शामिल किया जा सकता है। इनमें दक्षिण राजस्थान के सिरोही, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, झालावाड़, बारां आदि को शामिल किए जाने की ज्यादा संभावना है। जानकारी के मुताबिक तीन संभावित रूट बनाए गए हैं, ये क्या होंगे, आइए जानते हैं। अहमदाबाद के बाद यात्रा उदयपुर, चित्तौड़गढ़, कोटा, झालावाड़ होते हुए मध्यप्रदेश में प्रवेश करेगी और फिर छत्तीसगढ़ जाएगी। इन तीनों राज्यों में विधानसभा के चुनाव दिसंबर में संभावित हैं। छत्तीसगढ़ से यात्रा पूर्वी उत्तरप्रदेश, बिहार, बंगाल, असम होते हुए अरुणाचल प्रदेश तक जाएगी। इस में यात्रा अहमदाबाद से गोधरा, दाहोद के रास्ते से राजस्थान में एंटर होगी और बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़ होते हुए मध्यप्रदेश में नीमच-मंदसौर के माध्यम से प्रवेश करेगी। फिर मध्यप्रदेश इन्दौर या भोपाल में से किसी एक शहर को छूकर छत्तीसगढ़ की तरफ बढ़ेगी। छत्तीसगढ़ से यात्रा पूर्वी उत्तरप्रदेश, बिहार, बंगाल, असम होते हुए अरुणाचल प्रदेश तक जाएगी। पोरबंदर से सीधे माउंट आबू (सिरोही) जिले में प्रवेश कर उदयपुर, डूंगरपुर व बांसवाड़ा के इलाकों से होते हुए रतलाम (मध्यप्रदेश) में यात्रा प्रवेश कर सकती है। राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा की मानें तो इस बार यात्रा छोटी होगी। इसलिए तीनों में से जिस भी सबसे छोटे रूट के माध्यम से राजस्थान को शामिल करना संभव होगा वो अपनाया जाएगा।

सम्पादकीय

राहुल ने जो अमेठी सीट गँवाई थी, उसे कांग्रेस की झोली में वापस डालने के लिए खुद लड़ सकती हैं प्रियंका

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी पिछले चार लोकसभा चुनाव से रायबरेली से सांसद हैं। पिछले दिनों उनके सियासत से संन्यास लेने की चर्चा शुरू हो गई, लेकिन पार्टी के नेता इस चर्चा को एक सिरे से खारिज कर रहे हैं।उत्तर प्रदेश कांग्रेस के लिए बंजर मरुस्थल बन गया है। अब यहां ना कांग्रेस की सीटें आती हैं, ना वोट मिलता है। स्थिति यह है कि कांग्रेस यूपी में सोनिया गांधी की एक मात्र रायबरेली संसदीय पर सिमट गई है। कहने को तो गांधी परिवार से ताल्लुक रखने वाली मेनका गांधी और वरूण गांधी भी यूपी से सांसद हैं, लेकिन वह कांग्रेस की जगह भारतीय जनता पार्टी से चुने गए हैं। कांग्रेस से यूपी दूर हुआ तो दिल्ली भी दूर होते देरी नहीं लगी। कभी कांग्रेस का मजबूत वोट बैंक समझा जाने वाले दलित-अगड़े-पिछड़े और मुसलमान वोटर भाजपा और क्षेत्रीय दलों सपा-बसपा के बीच बंट गए हैं। इसी के साथ गांधी परिवार के लिए यूपी गले की फांस बन गया है ना वह इसे निगल पा रही है ना ही उगलते बन रहा है। वैसे कुछ लोग यह भी कहते हैं यूपी में जिस कांग्रेस को राहुल गांधी ने डुबोया है, उसे प्रियंका गांधी फिर से जीवनदान देंगी। सवाल कैसे तो, कहा जा रहा है कि समाजवादी पार्टी से गले मिलकर। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस एक ही गठबंधन का हिस्सा हो गए हैं और अगले वर्ष होने वाला लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे, इससे कांग्रेस को अच्छा खासा फायदा हो सकता है। कांग्रेस जो रायबरेली तक सिमट गई है, वह एक बार फिर अमेठी को जीतना चाहती है। 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी यहां से बीजेपी प्रत्याशी स्मृति ईरानी से चुनाव हार गए थे।कांग्रेस करीब तीन दशकों से यूपी में उभार की उम्मीद लगाए बैठी है, लेकिन उसके हालात सुधरने की बजाए बिगड़ते जा रहे हैं। आज की तारीख में तो न उसके पास संगठन बचा है और न नेता एवं वोटर। इसके लिए कौन जिम्मेदार है की बात चलती है तो गांधी परिवार ही कुसूरवार लगता है, लेकिन यह बात कहने की हिम्मत पार्टी का कोई छोटा या बड़ा नेता कभी जुटा नहीं पाया। यही वजह है कि कांग्रेस यूपी में गर्दिश में चली गई है। अब कहा जा रहा है कि कांग्रेस के गर्दिश के दिनों को कांग्रेस की महासचिव प्रियंका वाड्रा गांधी दूर करेंगी।

अखिल भारतीय शिक्षा समागम में राजस्थान के शैक्षिक नवाचारों और फ्लैगशिप योजना की गूंज

जयपुर। नई दिल्ली के आईटीपीओ, प्रगति मैदान में शनिवार को आरम्भ हुए दो दिवसीय अखिल भारतीय शिक्षा समागम में राजस्थान में स्कूली शिक्षा के नवाचार और फ्लैगशिप योजनाओं को खूब सराहा गया। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने शिक्षा समागम के पहले दिन आयोजित ह्यएक्सेस टू क्वालिटी एजुकेशन एंड गवर्नेंसह्य के विशेष सत्र में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में प्रदेश में स्कूल शिक्षा में चलाई जा रही फ्लैगशिप योजनाओं के साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों के समन्वय, बच्चों के बस्ते का बोझ कम करने की पहल, 10 वीं कक्षा के बाद विद्यार्थियों को स्ट्रीम और विषय चयन में मार्गदर्शन के लिए इस शैक्षणिक सत्र की शुरूआत में चलाए गए ह्यडायल फ्यूचरह्य कार्यक्रम, नो-बैग डे के तहत अलग-अलग थीम पर गतिविधियों के आयोजन जैसे नवाचारों पर प्रस्तुतीकरण दिया। जैन ने नई शिक्षा नीति के सन्दर्भ में राजस्थान के नवाचारों की व्याख्या करते हुए बताया कि राजस्थान के स्कूलों में ह्यनो बैग डेह्य के तहत शनिवार को संविधान की उद्देश्यिका और मूल कर्तव्यों के पठन, ह्यसुरक्षित स्कूल, सुरक्षित राजस्थानह्य (गुड टच-बैड टच), तम्बाकू से बचाव, सड़क सुरक्षा और बी-स्मार्ट जैसी गतिविधियों को शामिल करते हुए विस्तृत कैलेंडर तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि नए सत्र की शुरूआत में सरकारी सीनियर सैकेंडरी स्कूलों में 10वीं कक्षा उत्तीर्ण कर चुके विद्यार्थियों को आगामी कक्षाओं के लिए स्ट्रीम और विषय चयन में मार्गदर्शन के लिए चलाए गए ह्यडायल फ्यूचरह्य (भविष्य की राह) कार्यक्रम में 87 हजार से अधिक विद्यार्थियों को सीधे तौर पर लाभान्वित किया गया। स्कूल शिक्षा विभाग के इस इनिशिएटिव के तहत राज्य के सभी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में संचालित कॅरियर काउंसलिंग कार्यक्रम में ह्यपथ प्रदर्शकह्य के रूप में चयनित टीचर्स ने मौके पर छात्र-छात्राओं को ह्यभविष्य की राह बताई, वहीं विभाग के तहत अलग-अलग सम्भागों के स्तर गठित ह्यहेल्प डेस्कह्य के माध्यम से भी विद्यार्थियों को फोन पर ह्यगाइडेंसह्य दिया गया। जैन ने कहा कि ह्यडायल फ्यूचरह्य कार्यक्रम की सफलता और उपयोगिता के बारे में मिली रिपोर्ट्स एवं फीडबैक के आधार पर अब विभाग द्वारा पूरे सत्र में विद्यार्थियों की ह्यहेल्प डेस्कह्य के जरिए सतत कॅरियर काउंसलिंग का निर्णय लिया गया है। इसके लिए उदयपुर में राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (आरएससीईआरटी) द्वारा पूरे प्रदेश के लिए स्थाई हेल्पलाइन आरम्भ कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस पर राज्य के विद्यार्थी सम्पर्क कर कॅरियर परामर्श विशेषज्ञ से बात कर अपने ह्यभविष्य की राहह्य चुन सकते है। इसके लिए ह्यहेल्प डेस्कह्य नंबर जारी करते हुए कॅरियर काउंसलिंग विशेषज्ञ को नियोजित किया गया है। इस समागम में आयोजित प्रदर्शनी में राजस्थान में स्कूली शिक्षा में संचालित फ्लैगशिप योजनाओं, नवाचारों और विशेष गतिविधियों को स्टॉल पर प्रदर्शित किया गया है। इस कार्य के लिए उप निदेशक मानाराम, सहायक निदेशक डॉ. नीरू पोटलिया, प्रधानाचार्य डॉ. लोकेश कुमार शर्मा, व्याख्याता विपिन कुमार गुप्ता एवं वरिष्ठ सलाहकार, एनईपी सुश्री महिमा बंसल की टीम को नियोजित किया गया है।

धार्मिक पर्व एवं त्यौहार एकता के सूत्र में पिरोने का करते हैं कार्य

जयपुर। मोहर्रम पर्व के अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने रोड नं. 2 स्थित मेव बोखडंग पहुंचकर ताजिए की अगुवाई करते हुए मेव बोखडंग से कर्बला दशहरा मैदान के लिए ताजिए रवाना किए जो कि शहर के भगतसिंह सखकल, अम्बेडकर चौराहा होते हुए जेल चौराहे स्थित कर्बला मैदान पहुंचा। इस अवसर पर जूली ने कहा कि साम्प्रदायिक सौहार्द्र और आपसी भाईचारे के प्रतीक ताजिए के जुलूस में बडी संख्या में लोग शामिल हुए। उन्होंने कहा कि हमारा देश अनेकता में एकता वाला देश है जहां धार्मिक पर्व एवं त्यौहार हमें एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य करते हैं।

मंत्री टीकाराम जूली ने किया करीब 1 करोड़ 75 लाख रुपए के सड़क निर्माण एवं नवीनीकरण कार्यों का शिलान्यास

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने शनिवार को अलवर ग्रामीण क्षेत्र के ग्राम मदनपुरी एवं देसूला में सडक निर्माण, नवीनीकरण एवं सीसी सड़क निर्माण का शिलान्यास किया। जूली ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य किए हैं, जिससे आमजन लाभांवित हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में बड़ी संख्या में सड़क निर्माण के कार्य किए जा रहे है। इन सड़कों के निर्माण से आवागमन के साथ-साथ विकास को बढ़ावा मिलेगा। इन सड़कों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण रूप से कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा 19 नए जिलों की घोषणा से विकास को और गति मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि अलवर ग्रामीण क्षेत्र की लगभग सभी मांगों को सकारात्मक रूप से पूरा किया जा रहा है। जूली ने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है जिनका आमजन जागरूक रहकर लाभ उठावें। जूली ने करीब 1 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत राशि से बनने वाली एमआईए रोड से अम्बेडकर कॉलोनी देसूला तक सीसी सड़क निर्माण कार्य, एप्रोच सड़क देसूला के नवीनीकरण कार्य तथा सम्पर्क सडक मदनपुरी, गुजूकी, सालपुरी सडक के नवीनीकरण कार्य का शिलान्यास किया।

उदयपुर का बडगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र होगा सैटेलाइट चिकित्सालय में क्रमोन्नत

जयपुर। राज्य सरकार प्रदेश में चिकित्सा सेवाओं के विस्तार और आमजन को बेहतर उपचार उपलब्ध करवाने के लिए निरन्तर महत्वपूर्ण फैसले ले रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने उदयपुर के बडगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को सैटेलाइट चिकित्सालय में क्रमोन्नत करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। साथ ही, चिकित्सालय में बेड्स की संख्या 30 से बढ़ाकर 50 करने की भी स्वीकृति दी है।

भारी वर्षा के कारण फंसे 150 परिवारों को सुरक्षित स्थान पर किया शिफ्ट

जयपुर, 29 जुलाई। जयपुर में तेज बारिश के चलते जेडीए के जोन 12 में सीकर रोड पर ग्राम पंचायत सरना चौड़ के ग्राम सांचोती में जहां 150 से अधिक विमुक्त घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतु जाति के परिवार रह रहे थे, उस स्थान पर पानी भर गया। सुरक्षा की दृष्टि से जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से जोन 12 उपायुक्त प्रवीण कुमार एवं उनकी टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर राहत बचाव कार्य शुरू किया गया और परिवारो को स्थानीय सामुदायिक केंद्र में शिफ्ट किया गया और भोजन के पैकेट का वितरण भी किया गया।

खोजें अपनी जिंदगी का उद्देश्य एवं सकारात्मक दिशाएं

उतार-चढ़ाव, हर्ष-विषाद, सुख-दुःख हर इंसान के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, लेकिन फिर भी इन जटिलताओं के बीच एक सपना एवं जिजीविषा जरूर होनी चाहिए जो आपको हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहे। जीवन ऐसे जीना चाहिए जैसे जिंदगी का आखिरी दिन हो। भले ही हमारी जिंदगी उतार-चढ़ावों से भरी हो फिर भी हमें बढ़िया और नेक काम करते हुए जीवन के पल-पल को उत्साह एवं उमंग से जीना चाहिए। लेकिन हमारी बढ़िया या नेक काम करने की इच्छा अधूरी ही रहती है क्योंकि अक्सर जब हम जिंदगी के बुरे दौर से गुजरते हैं, तब उससे निकलने और जब अच्छे दौर में होते हैं, तब उस स्थिति को बरकरार रखने में जिन्दगी बिता देते है। हर इंसान के जीवन में निराशा एवं असंतुष्टि पसरी है। आंकड़े बताते हैं कि करीब 70 फीसदी लोग अपनी मौजूदा नौकरी या काम से संतुष्ट नहीं हैं और करीब 53 फीसदी लोग किसी भी रूप में खुश नहीं हैं। यह एक चिंताजनक बात है। जब हम दिल से प्रसन्न नहीं होते तो हमारे अंदर से आगे बढ़ने की चाह खत्म होने लगती है। और फिर धीरे-धीरे तनाव बढ़ने लगता है, जो जीवन को नीरस और उबाऊ बना देता है।

जिन्दगी तो सभी जीते हैं, लेकिन यहां बात यह मायने नहीं रखती कि आप कितना जीते हैं, बल्कि लोग इसी बात को ध्यान में रखते हैं कि आप किस तरह और कैसे जीते हैं। जीवन में आधा दुख तो इसलिए उठाते फिरते हैं कि हम समझ ही नहीं पाते हैं कि सच में हम क्या हैं? क्या हम वही है जो स्वयं को समझते हैं? या हम वो हैं जो लोग समझते हैं। हमारे संकल्प और हमारे आदर्श सांसारिक जीवन के बंधनों में बंधे रहने के बजाय उच्च लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बढ़ना चाहते हैं, लेकिन मन की इच्छाएं इसके विपरीत होती हैं। इन दोनों में लगातार संघर्ष चलता रहता है। इस संघर्ष में जीत अक्सर मन की इच्छाएं की ही होती है। इसका कारण यह है कि इच्छाओं की मांगें पूरी करने में मनुष्य को तुरंत सुख और आनंद मिलता है। इसके विपरीत आदर्श को जीने या आदर्श की अपेक्षाओं को पूरा करने में मनुष्य को शुरूआती दौर में अपने सुख और आनंद का बलिदान करना होता है। इसलिए लोग सामान्यतया ऐसा करने से बचते हैं। अगर यही स्थिति लंबे समय तक बनी रहे और आदर्श की अपेक्षाओं को दबाया जाता रहे, तो धीरे-धीरे आदर्श की उड़ान समाप्त होने लगती है।

महान और आदर्श काम करने के लिए अक्ल से ज्यादा दिलेरी की जरूरत होती है और यह दिलेरी लुप्तप्राय होती जा रही है। आज लगभग देश और दुनिया इसी आदर्शहीनता के स्थिति से ही मुखातिब है। सीधे-सीधे आसान रास्तों पर चलते हुए भी कोई भटकता रह जाता है। कुछ भटकते हुए भी मंजिल की ओर ही कदम बढ़ा रहे होते हैं। दरअसल, जब भीतर और बाहर का मन एकरूप होता है तो भटकना बेचैन नहीं करता। भरोसे और भीतर की ऊर्जा से जुड़े कदम आप ही राह तलाश लेते हैं। ओशो कहते हैं, ह्यभटकता वही है, जो अपने भीतर की यात्रा करने से डरता है।ह्न जब आपके अंदर किसी काम को लेकर जुनून होता है तो कभी-कभी वह जुनून ही जीवन के उद्देश्य में तब्दील होने लगता है। जीवन कभी एक सा नहीं चलता। इसलिए यह जरूरी भी नहीं कि बेहद प्रारंभिक अवस्था में ही आपको अपने जीवन का उद्देश्य मिल जाए। जीवन में अनेक पड़ाव आते हैं, जो अलग-अलग अनुभव देते हैं। इसलिए कभी एक बेहद तनाव वाले पड़ाव में लगे कि किसी तरीके का बदलाव आपके जीवन को सरल और खुशनुमा बना सकता है तो उसे आप अपना उद्देश्य बना लीजिए। लेकिन यह कोई ऐसा कार्य नहीं है, जिसके बारे में आप बैठकर अलग से मंथन करें। यह हमारा मन तय करता है कि उसे किस कार्य को करने से खुशी मिलती है। पर दिमाग के साथ दिल का तालमेल बिठाना न भूलें और जहां लगे कि दिल और दिमाग मिल गए हैं तो समझ जाएं कि आपको अपने जीवन का उद्देश्य मिल गया है।

जिंदगी का कोई लम्हा मामूली नहीं होता, हर पल वह हमारे लिए कुछ-न-कुछ नया पेश करता रहता है-जब हमारी ऐसी सोच बनती है तभी हम अपने आप से रूबरू होते। स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार के बिना हमारी लक्ष्य की तलाश और तैयारी दोनों अधूरी रह जाती है। स्वयं की शक्ति और ईश्वर की भक्ति भी नाकाम सिद्ध होती है और यही कारण है कि जीने की हर दिशा में हम औरों के मुहताज बनते हैं, औरों का हाथ थामते हैं, उनके पदचिन्ह खोजते हैं। अक्सर आधे-अधूरे मन और निष्ठा से हम कोई भी कार्य करते हैं तो उसमें सफलता संदिग्ध हो जाती है। सफलता या ऊंचाइयों आप तभी पा सकते हैं, जब अपना काम करते हुए इस बात को नजरअंदाज कर दें कि इसकी वाहवाही किसे मिलेगी? हम तो मन्दिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, चर्च में जाकर भी अपने धनबल, बाहुबल या सत्ताबल के आधार पर लम्बी-लम्बी लाइनों के बजाय वीआईपी दर्शन करके लौट जाते हैं। क्या हमारा ईश्वर से मिलने का यह तरीका परिणामकारी हो सकता है? हम हमारी आस्था या भगवान के प्रति निष्ठा को सस्ता न बनने दें। हमें अपना हर सुख इस तरह भोगना चाहिए, जैसे हम सौ साल तक जीयेंगे, पर ईश्वर से रोजाना प्रार्थना एवं अपना काम ऐसे करना चाहिए, जैसे कल हमारी जिंदगी का आखिरी दिन हो। जब हम ईश्वर के प्रति और अपने उद्देश्यों-कार्यों के प्रति इतने पवित्र, जुझारू एवं परोपकारी बनकर प्रस्तुत होंगे तभी जीवन को सार्थकता तक पहुंचा सकेंगे। वैसे भी अमीर वह नहीं है, जिसके पास सबसे ज्यादा है, बल्कि वह है, जिसे और कुछ नहीं चाहिए। सच्चाई तो यही है कि जिसे और कुछ नहीं चाहिए वही सच्चे रूप में ईश्वर से साक्षात्कार की पात्रता अर्जित करता है।

आप या तो इस बात पर सिर धुन सकते हैं कि गुलाब में कांटे हैं या इस पर खुश हो सकते हैं कि कांटों से भी गुलाब खिलते हैं। जब भी हम ईमानदारी से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं, किसी की मदद करते हैं अथवा कोई अच्छा कार्य करते हैं, अपने जीवन के कार्यों को अंजाम तक पहुंचाते हैं तो उससे अपने भीतर हम अपार संतोष महसूस करते हैं। तब वही भाव हमारे चेहरे और विचारों पर भी झलकने लगता है। इससे हमारे पूरे व्यक्तित्व में एक सकारात्मक परिवर्तन होता है। संतुष्टि और आनंद की अवस्था में व्यक्ति तनावमुक्त रहता है और इसलिए स्वस्थ रहता है। यह अवस्था मनुष्य के अच्छे स्वास्थ्य के साथ-साथ एक सफल एवं सार्थक जीवन की परिचायक है।

हानिकारक है स्कूलों में स्मार्ट फोन का अत्यधिक उपयोग

संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में स्कूलों में स्मार्ट फोन उपकरणों के अत्यधिक प्रयोग परचिन्ता व्यक्त की गई है और इन उपकरणों पर दुनिया भर के स्कूलों में प्रतिबन्ध लगाए जानेकी पुकार लगाई गई है। यूनेस्को के अनुसार, मोबाइल फोन के अत्यधिक प्रयोग से शिक्षा ग्रहणप्रभावित हो रहा है। इस शताब्दी का सबसे उन्नत और प्रभावी संचार उपकरण मोबाइल फोन है।मोबाइल फोन हम सभी की जिंदगी का एक अभिन्न अंग बन चुके हैं। टेक्नोलॉजी के इस दौर मेंबच्चों का मोबाइल से खास लगाव हो चला है। आजकल ज्यादातर बच्चे मोबाइल फोन की बुरीआदत का शिकार हो गए हैं। बच्चों को मोबाइल फोन की ऐसी लत लगी है कि वो सोते-जागते,खाते-पीते, सिर्फ फोन में लगे रहते हैं। मोबाइल के बेहताशा उपयोग का बच्चों पर दुष्प्रभाव कीजानकारी हर किसी को होनी जरुरी है ताकि यह पत्ता चल सके की यह बच्चों के लिए लाभकारीहै या हानिकारक।मोबाइल आपका दोस्त है या दुश्मन। बिना विलंब किए इस पर गहनता से मंथन की जरुरत है। आजकलमोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों को इंटरनेट एडिक्शन की तरफ ले जा रहा है। इस तरह के एडिक्शन सेमानसिक बीमारियां पैदा होती हैं और ऐसे में बच्चे कोई न कोई गलत कदम उठा लेते हैं। आजकल के बच्चेइंटरनेट लवर हो गए हैं। इनका बचपन रचनात्मक कार्यों की जगह डेटा के जंगल में गुम हो रहा है। पिछलेकई सालों में सूचना तकनीक ने जिस तरह से तरक्की की है, इसने मानव जीवन पर गहरा प्रभाव डाला हैबल्कि एक तरह से इसने जीवनशैली को ही बदल डाला है। बच्चे और युवा एक पल भीस्मार्टफोन से खुद कोअलग रखना गंवारा नहीं समझते। इनमें हर समय एक तरह का नशा सा सवार रहता है। वैज्ञानिक भाषा मेंइसे इंटरनेट एडिक्शन डिस्ऑर्डर कहा गया है।अपने बच्चों को मोबाइल और कंप्यूटर पर गेम खेलते अनेक माता-पिता बहुत खुश होते हैं। वे दूसरों को बड़ेगर्व के साथ यह बताते तनिक भी नहीं हिचकते की उनका बेटा डिजिटल दुनियां के नए जमाने के साथ दौड़रहा है। वे बड़े खुशी से बताते हैं कि वह मोबाइल पर फोटो निकाल लेता है। मैसेज भेज देता है। व्हाट्सप परबात कर लेता है और फोटो, वीडियो शेयर कर लेता है। यहाँ तक की गूगल पर कुछ भी खोज लेता है। लेकिनशायद वह इस बात से अनजान है कि जिसे वह बच्चे की स्मार्टनेस समझ रहे हैं वह उसके विकास में बाधाभी बन सकता है। विशेषज्ञ मानते है कि इलेक्ट्रॉनिक गजेट और कंप्यूटर का अत्यधिक प्रयोग बच्चों केलिए अच्छा नहीं है। इससे उनमें संवादहीनता और चिड़चिड़ेपन की प्रवृत्ति बढ़ती है।मौजूदा दौर में बच्चों में खेलकूद का स्थान इंटरनेट ने ले लिया है। इसका सीधा प्रभाव बच्चों के शारीरिकऔर मानसिक विकास पर पड़ा है। शहरों के साथ अब गांवों में भी मोबाइल की पहुँच होने से बच्चों में इंटरनेटकी लत बढ़ गई है। इससे उनमें संवादहीनता का खतरा बढ़ रहा है। बच्चे के ऐसे व्यवहार को अनदेखा करनेकी जगह इस पर सजग और सावधान होने की जरूरत है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि इससे बच्चों कास्वाभाविक विकास बुरा प्रभाव पड़ता है।देश में इंटरनेट के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल में बचपन खोता जा रहा है जिसकी परवाह न सरकार को है और नही समाज इससे चिंतित है। ऐसा लगता है जैसे गैर जरुरी मुद्दे हम पर हावी होते जारहे है और वास्तविकसमस्याओं से हम अपना मुंह मोड़ रहे है। यदि यह यूँ ही चलता रहा तो हम बचपन को बबार्दी की कगार परपहुंचा देंगे। देश के साथ यह एक बड़ी नाइंसाफी होगी जिसकी कल्पना भी हमें नहीं है। जब से इंटरनेट हमारेजीवन में आया है तबसे बच्चे से बुजुर्ग तक आभासी दुनियां में खो गए है। हम यहाँ बचपन की बात करनाचाहते है। देखा जाता है पांच साल का बच्चा भी आँख खोलते ही मोबाइल पर लपकता है। पहले बड़े इसेअपने काम के लिए करते थे। अब बच्चे भी इंटरनेट के शौकीन होते जा रहे हैं। बाजार ने उनके लिए भीइंटरनेट पर इतना कुछ दे दिया है कि वह पढ़ने के अलावा बहुत कुछ इंटरनेट पर करते रहे हैं। पेरेंट्स कोबच्चों की ऐसी गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए और समय रहते उनकी ऐसी आदत को पॉजेटिव तरीकेसे दूर करना चाहिए।

रेलवे स्टेशन के पास नालों में भीषण आग से मचा हड़कंप

चितौड़गढ़। रेलवे के डीजल टैंक के पास शनिवार को आग लग जाने के कारण हड़कंप मच गया। डीजल टैंक में आग लगने की आशंका से हर कोई अलर्ट हो गया। बाद में दमकल को मौके पर बुलाया गया। दमकल की सहायता से आग पर काबू पा लिया गया। वहीं क्षेत्र के लोगों ने रेलवे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आसपास की कॉलोनी में रहने वाले लोगों का कहना है कि रेलवे के डीजल टैंक से डीजल लीकेज होता है जो कि नालियों में भरा हुआ है। इसी में अज्ञात कारणों के चलते आग लगी है। वही जमीन में लगातार डीजल का लीकेज होने के कारण सारे नलकूप बेकार हो गए हैं। यहां का पानी पीने लायक नहीं है। जानकारी में सामने आया कि चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन के पीछे की तरफ रनिंग रूम है। इसके पास में ही डीजल स्टोरेज के लिए वर्षों से टैंक स्थापित किया हुआ है। इसके पीछे की ओर रेलवे की कॉलोनी और खमेसरानगर की घनी आबादी है। यहां रेलवे के टैंक से डीजल का लीकेज होता रहता है, जो नाले और नालियों में भरा हुआ था। शनिवार दोपहर में अज्ञात कारणों के चलते नाली में भरे पानी में अचानक से आग लग गई। नाली में भरे पानी में आग लग रही थी जिसे देख कर कुछ लोगों को तो हुआ आश्चर्य हुआ लेकिन क्षेत्र के लोगों को जल्दी पता चल गया कि डीजल टैंक से नाली में डीजल जमा था, उसमें आग लगी है। इस पर समय रहते काबू नहीं पाया गया तो आग डीजल टैंक तक पहुंच सकती है, जिससे रेलवे को और आस पास की कॉलोनी के लोगों को काफी नुकसान होगा और जनहानि से भी इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसे में रेलवे के अधिकारियों को सूचना दी गई और पुलिस कंट्रोल रूम भी सूचित किया। इस पर नगर परिषद की एक दमकल मौके पर पहुंची है। इस दमकल की सहायता से नालों में लगी आग पर काबू पा लिया गया। यहां रेलवे के निकट से गुजर रही नालियों में काफी डीजल भरा हुआ था। ऐसे में धुएं के गुबार एक किलोमीटर दूर से भी दिखाई दे रहे थे। मामले की जानकारी मिली तो रेलवे सुरक्षा बल के थानाधिकारी नाथूराम जाट मौके पर पहुंचे हैं और मौका देखा है। बाद में रेलवे के अन्य अधिकारी भी मौके पर आए हैं। यहां गहनता से मौका देखा गया है। इस दौरान लोगों ने काफी गंभीर आरोप रेलवे पर लगाए हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि कई बार शिकायत देने के बाद भी सुनवाई नहीं हो रही है। क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि वर्षों से डीजल टैंक से डीजल लीकेज की शिकायत सामने आ रही है। गत दिनों भी नाली वह निकट स्थित नाले में बह कर आए डीजल में आग लग गई थी तो रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। साथ ही इसे छिपाने के लिए नाले में मिट्टी डाल दी, जिसका असर यह हुआ कि डीजल पहले बह कर चला जाता था वह अब नाले में ही पानी के साथ एकत्रित होने लग गया। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि हमेशा खमेसरानगर, रेलवे कॉलोनी के कई परिवारों ने नलकूप खुदवा रखे हैं। लेकिन यह सभी बेकार हो गए हैं। इसके पीछे कारण यह है कि रेलवे के टैंक से डीजल जमीन में उतर रहा है और नलकूप में आ रहा है। ऐसे में नलकूप का पानी खराब होकर पीने लायक नहीं है। ऐसे में सभी को पानी की पूर्ति जलधारा के माध्यम से आर ओ की कैन लेनी पड़ रही है।

केदारनाथ मंदिर सीढ़ियों से गिर कर ब्रजयात्री घायल, जिला अस्पताल रैफर

मरुधर विशेष आमिर खान कामा

कामां/ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग के मंदिर श्री केदारनाथ के दर्शन करने पहुंचे एक ब्रज यात्री की सीढियों से फिसलकर गिरने से गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसको केदारनाथ स्थित मेडीकल कैम्प में उपचार के लिये सीढियों से उतारकर लाया गया। जहां उसकी हालत चिन्ताजनक होने पर उसे 108 ऐम्बूलेंस की मदद से कामां सीएचसी में भर्ती कराया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के मथुरा जिला के थाना दाउजी के गांव गोयनी निवासी दीनू पुत्र दिगम्बर जाट केदारनाथ मंदिर के दर्शन कर सीढियों से नीचे उतर रहा था कि अचानक सीढियों से फिसल जाने से वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिये जिला अस्पताल रैफर किया गया है।

श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन को लेकर वैदिक मंत्रों के साथ भूमि पूजन व धर्म ध्वजा का पूजन कर धर्म ध्वजा लगी

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

बांसवाड़ाः तलवाड़ा कस्बे में आमलिया दादा गणेश विकास व्यवस्था समिति तथा लक्ष्मीनारायण ट्रस्ट एवम वैष्णव समाज भागवत समिति के नेतृत्व में 9 अगस्त को आयोजित होने वाली श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन को लेकर आमलिया दादा श्री गणेश मंदिर के नवीन सभागार में कथा के मुख्य यजमान विद्याधर त्रिवेदी, रमा बेन, निरंजन सहित त्रिवेदी परिवार के द्वारा पंडित निखलेश शुक्ला ने विधि विधान से वैदिक मंत्रों के साथ भूमि पूजन व धर्म ध्वजा का पूजन कर धर्म ध्वजा हनुमान चालीसा पठन से फहराई गई। इस अवसर पर अरनिया के संत गोतमानंद गिरी महाराज का पादुका पूजन यजमान विद्याधर त्रिवेदी ने किया। इस मौके पर पंडित लक्ष्मीनारायण शुक्ला, वैष्णव समाज के अध्यक्ष दिनेश त्रिवेदी, गणेश विकास समिति के अध्यक्ष अनिल सोनी, भागवत समिति के अध्यक्ष सुरेश भट्ट, सहस्त्र टोलकिया समाज के अध्यक्ष प्रकाश भट्ट,सोनी समाज के नारायणलाल सोनी,भागवती, जयंतीलाल,गजानंद, प्रेमचन्द पंचाल,जयेश उपाध्याय,जयंत द्विवेदी,रमेश, विष्णुकुमार,नरेन्द्र, जगदीश,पूर्व सरपंच रमेश,गेंदालाल मधुसूदन,ओमप्रकाश द्विवेदी,युवाध्यक्ष चंद्रशेखर त्रिवेदी, मुकेश,डाह्यालाल, कृष्णलाल,पूर्ण शंकर, सुरेश सहित वैष्णव समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। संचालन खगेश सोमपुरा ने किया।आभार सुनील व्यास ने व्यक्त किया।

समरसता संदेश यात्रा मन चंगा तो कठौती में गंगा- धानक

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

बांसवाड़ा थांदलाः संत शिरोमणि श्री रविदास महाराज मंदिर निर्माण संदेश यात्रा 25 जुलाई से प्रारंभ होकर संत शिरोमणि श्री रविदास महाराज का रथ झाबुआ से थांदला पहुंचने पर प्राचीन मुलकदास बावड़ी हनुमान अष्टमंदिर पर सरकार द्वारा मध्यप्रदेश सागर में 100 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले संत रविदास मंदिर निर्माण को लेकर गांव गांव से मिट्टी कलश के साथ करने की कड़ी में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंदिर प्रमुख संत नारायण दास महाराज,खुशहालदास महाराज,राजकोट गरिमामय उपस्थिति में इस दौरान भाजपा अजा मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पार्षद राजू धानक हिंदू जागरण मंच के जिला उपाध्यक्ष संतु बारिया सहकार भारती के जिला महामंत्री दीलिप डामोर मोर्चा जिला मंत्री मनीष वाघेला मोर्चा के मंडल अध्यक्ष गोलू खतोड, मंडल उपाध्यक्ष जितेंद्र राठौड़ मोहन यादव मनोज पंचाल मोहन कटारा मीनाबेन संतोषी बेन कमला बेन युवा शक्ति आदि समाज जनों ने रथ का भव्य स्वागत कर कलश का विधि विधान पूजा कर थांदला पवित्र नदी बावड़ी का जल मिट्टी में मिलाकर महाआरती कर धर्म लाभ लिया रथ नगर भ्रमण करते हुए पेटलावद के लिए प्रस्थान किया। ये जानकारी राजू धानक ने दी।

चंद्राणी व्रतधारियों ने की महापूजा

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

बांसवाड़ा परतापुरः ध्यान व कीर्तन के पवित्र पुरुषोत्तम मास में श्रद्धालु भक्ति में लीन हैं। परतापुर में लोग विविध अनुष्ठानों से भगवान की आराधना कर रहे हैं। औदीच्य महिला मण्डल के सदस्यों ने शनिवार को विशेष अनुष्ठान किये। उन्होंने चन्द्राणी व्रत करते हुए भगवान की षोडशोपचार से पूजा की एवं भोग लगाया। कस्बे की व्रतधारी महिलाओं ने ब्रह्म मुहूर्त में त्रिवेणी संगम में स्नान कर दिनचर्या प्रारम्भ की। इसके बाद भगवान आशुतोष की पूजा अर्चना व भजन कीर्तन किये। चंद्राणी व्रत करनेवाली महिलाएं तुलसी पत्र, जव, चावल, मूंग, तिल व फल में से किसी एक का आहार ले रही हैं। निर्जला व्रत करनेवाली लीला देवी शुक्ला, निशा शुक्ला, चेतना भट्ट, हर्षलता भट्ट, संध्या भट्ट, इंदु बाला, किरण शर्मा, नीलू जोशी, मनोरमा शर्मा, रौशनी माह पर्यन्त चंद्राणी व्रत कर रही हैं। इस मौके पर महापूजा विधान किया। महा आरती के समय सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। ये जानकारी विनोद पानेरी ने दी।

दुगार्वाहिनी, मातृशक्ति, श्री राधासखी की बहनों द्वारा आज पुरषोत्तम मास की पदमावती एकादर्शी के उपलक्ष मे बेणेश्वर के त्रिवेणी संगम पर शाही स्नान किया

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

बांसवाड़ाः विश्व हिंदू परिषद बांसवाड़ा की दुगार्वाहिनी व मातृशक्ति और श्री राधासखी की बहनों द्वारा आज पुरषोत्तम मास की पदमावती एकादर्शी के उपलक्ष मे बेणेश्वर के त्रिवेणी संगम पर शाही स्नान करकें ने के पश्चात राधा कृष्ण मंदिर पर बहनों द्वारा सतसंग किया गया।विश्व हिंदू परिषद बांसवाड़ा के जिला प्रचार व प्रसार प्रमुख तरुणकुमार अडीचवाल ने बताया उक्त कार्यक्रम में बहनों को संबोधित करते हुए मिथिलेश कौशिक ने पद्मावती एकादशी के महत्व एवं त्रिवेणी संगम के महत्व के बारे में बहनों को बताया।उक्त कार्यक्रम में मात्र शक्ति की जिला सह संयोजिका मिथलेश कोशिश दुगार्वाहिनी की जिला संयोजिका साक्षी दक व जिला बाल सस्कार सुश्री साधना देवड़ा सावित्री जागीर,मीना जागीर, ममता शर्मा,अर्चना कुलष्ट,राजेशवरी चौधरी,कमलेश शकतावत,सुगना गेहलोत, हँसा जागीर, उर्मिला शर्मा प्रियंका, जयश्री पंचाल, गायत्री पंड्या, आदि बहने उपस्थित रही। ये जानकारी तरुणकुमार अडीचवाल जिला प्रचार व प्रसार प्रमुख ने दी।

पद्मिनी एकादशी के पावन अवसर पर छोटी सरवा से खाटू श्याम जी सर्व समाज के साथ संघ यात्रा निकाली

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

कुशलगढ़ः तहसील कुशलगढ के छोटी सरवा खेड़ा धरती क्षेत्र से पुरुषोत्तम मास की सबसे बड़ी एकादशी पद्मिनी एकादशी के पावन अवसर पर छोटी सरवा से खाटू श्याम जी सर्व समाज के साथ संघ यात्रा निकाली जिसमें 50 से 60 यात्री ने बाबा खाटू श्याम के दिव्य दर्शन प्राप्त कर क्षेत्र की खुशहाली के लिए कामना की यह यात्रा देव जोशी के सानिध्य में निकाली गई जिसमें विकास उपाध्याय रवि वर्मा, रिकी उपाध्याय,भूपेंद्र गोड,कमल सिंह सिसोदिया,अतुल यादव, नानजी, राकेश, फत्तू दामा,दिनेश जोड़ियां,नीलेश यादव, पंकज टेलर,आनंद प्रजापत, जीवना डामर आदि के साथ इस यात्रा में सर्व समाज के कई लोग सम्मिलित हुए ! ये जानकारी देवेंद्र जोशी ने दी।

खैरथल में मिलावटखोरों पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई, पांच आरोपियों को जेल भेजा

घटिया देसी घी से बनती थी मिठाई, 85 पीपे जप्त, पांच कारखानों से करीब 15 क्विंटल जप्त की गई दूषित कलाकंद की नष्ट

जयपुर से आई खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा की गई कार्रवाई ने स्थानीय खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों की कार्रवाई पर खड़े किए सवाल

मरुधर विशेष/विजय सिंह

खैरथल 29 जुलाई । खैरथल में बड़े पैमाने पर बनने वाली मिठाई कलाकंद ,डोडा बर्फी आदि के कारखानों पर गुरुवार को शुरू हुई कार्रवाई के बाद शुक्रवार को दूसरे दिन जयपुर से आई खाद्य सुरक्षाविभाग की टीम ने पांच कारखानों पर बड़े स्तर पर कार्यवाई करते हुए करीब 15 क्विंटल दूषित

कलाकंद को नष्ट करवाया और मिठाई बनाने में इस्तेमाल करने वाले घटिया देसी घी के करीब 85 पीपे जप्त कर स्थानीय खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा गुरुवार को की गई कार्यवाई पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने एक दिन पहले गिरफ्तार किए 5 कलाकंद कारखानों के संचालकों को कोर्ट में पेश किया। जहां से सभी को 15 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। किशनगढ़ बास डीएसपी जयप्रकाश बेनीवाल ने बताया कि मामले में आनंद नगर खैरथल निवासी दौलत राम के पुत्र नरेश सिंधी, गोविंदराम के पुत्र नानक राम देवानंद के पुत्र पीयूष, नारायण दास के पुत्र दिलीप, टीकम दास के पुत्र प्रताप निवासी खैरथल के खिलाफ खराब खाद्य सामग्री से मानवजीवन को खतरे में डालने के मुकदमे दर्ज किए गए थे। जयपुर के खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र राणावत,लोकेश शर्मा, अमित शर्मा ने कस्बे में भगवान दास मिल्क शॉप कारखाने से देसी घी, काजू कतली व मिल्क केक के सैंपल लिए। इसी तरह कामधेनू मिल्कप्रोडक्ट से मिल्क केक व दूध के सैंपल लिए गए। मौके पर इनका टेस्ट किया गया। जिसमें खराबी निकली थी। रात तक टीमें सैंपल और जांच की कार्रवाई में जुटी रही। इस दौरान भिवाड़ी एएसपी दिलीप सैनी, किशनगढ़बास डीएसपी जयप्रकाश बेनीवाल, थाना अधिकारी अंकेश कुमार के साथ अलवर के खाद्य सुरक्षा अधिकारी भी मौजूद रहे।

जेसीबी से गड्ढा खोद नष्ट किया

खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र राणावत ने बताया कि कामधेनू मिल्क प्रोडक्ट्स से 384 किलो, भगवान दास मिल्क शॉप से 772 किलो, विजय दूध डेयरी से 252 किलो, अमन डेरी मिल्क शॉप से 35 किलो व देवानंद मिल्क प्रोडक्ट से 42 किलो जप्त किया गया मिलावटी कलाकंद पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में भुडावाली क्षेत्र में जेसीबी से गड्ढा खोदकर उसमें नष्ट करवाया गया।गुरुवार को खैरथल कस्बे में विभिन्न कारखानों पर अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान कई खामियां सामने आई कारखानों के मालिक द्वारा तैयार की गई कलाकंद, डोडा बर्फी आदि के सैंपल लिए जाने के दौरान जो मिठाई कारखानों के मालिकों ने सैंपल भरने के लिए दी गई उसी का ही अधिकारियों ने सैंपल लिया है। कारखाना मालिकों ने जिस कलाकंद मिल्क केक का सैंपल दिया है उस पर उनके द्वारा एक पर्ची लगाकर चिन्हित किया गया था जिससे अधिकारियों द्वारा लिया गया सैंपल और अधिकारियों द्वारा की कार्यवाही संदेह के घेरे में है। इसके अलावा कई कारखानों पर काम करने वाले वर्कर भी गायब मिले यह भी एक जांच का विषय है। कार्रवाई के दौरान कारखाना मालिक और अधिकारियों की आओ भगत भी करते नजर आए थे। जिसके बाद शुक्रवार को जयपुर से आई खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम के अधिकारियों ने पांचों कारखानों पर दोबारा से बड़े स्तर पर कार्रवाई करते हुए सैंपल भरे और करीब 15 क्विंटल दूषित कलाकंद को नष्ट करवाया और घटिया देसी घी के करीब 85 पीपे जप्त किए है। जयपुर की टीम द्वारा की गई कार्रवाई ने स्थानीय खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई पर कई सवाल खड़े कर दिए है इसकी लोगों में चर्चा है।

कारखानों को नहीं किया सीज

जयपुर से आई खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कामधेनू मिल्क प्रोडक्ट्स से 384 किलो, भगवान दास मिल्क शॉप से 772 किलो, विजय दूध डेयरी से 252 किलो, अमन डेरी मिल्क शॉप से 35 किलो व देवानंद मिल्क प्रोडक्ट से 42 किलो मिलावटी कलाकंद जब्त कर नष्ट भी करवा दिया और पुलिस ने पांच आरोपियों को जेल भी भेज दिया लेकिन पांचों कारखानों को अभी तक सीज नहीं किया और न इनके लाइसेंस निरस्त किए गए जो चर्चा का विषय बना हुआ है। क्या अधिकारी अब इनके कारखाने सीज और लाइसेंस निरस्त कर पाएंगे।

कार्रवाई के बाद मिलावटखोरों में मचा हड़कंप

जयपुर एसओजी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग के नेतृत्व में खैरथल में पांच कारखानों पर छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया गया। विभाग ने कार्रवाई करते हुए मिठाइयों के सैंपल लिए विभाग की इस कार्रवाई से खैरथल के मिलावटखोरों में हड़कंप मचा गया। कई प्रतिष्ठान संचालक, होटल संचालक, रेस्टोरेंट संचालक भी अपनी - अपनी प्रतिष्ठानों से शटर गिराकर मौके से फरार हो गए।

वागड के चौके में आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज का आहार

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

बांसवाड़ा बडोदियाः अष्टम प्रतिमाधारी सुधा बहन के चौखे में आए संत शिरोमणी आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज तो बडोदिया सहित पुरे वागड के भक्तों में छाई खुशी । समाज के जयन्तिलाल खोडणिया व दीपेश जैन ने बताया कि श्री दिगंबर जैन चंद्रगिरी तीर्थ डोंगरगढ में धरती के देवता, अनियत विहारी, अध्यात्म सरोवर के राजहंस, परम पूज्य युग श्रेष्ठ, संत शिरोमणि आचार्यश्री १०८ विद्यासागरजी जी महामुनिराज जी को नवधाभक्ति पूर्वक आज पड़गाहन कर आहार दान देने का सौभाग्य धमार्नुरागी धर्म प्रेमी बडोदिया निवासी सुधा बेन आष्टम प्रतिमाधारी, परतापुर निवासी सुभद्रा बेन सप्तम प्रतिमाधारी, पंचोरी वस्तुपाल परिवार परतापुर , धनपाल दोसी परिवार बागीदौरा , संजय गांधी परिवार बांसवाड़ा, सुरेश पंचोरी परिवार गामड़ी, निलेश जैन, विनेश जैन,सुरेश चंद्र जैन,सुशीला देवी जैन

बडोदिया इन सभी वागड के परिवारवालो को सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह सुचना जब बडोदिया सहित वागड क्षेत्र में पहुंची तो भक्तों में खुशी का ठिकाना नही रहा और अपने घरो पर ढोल बजाकर भक्ति न्रत्य किया तथा प्रभावना वितरण कर खुशीया मनाई । तथा सभी ने इनके आहारदान की अनुमोदना की । साथ ही श्री आदिनाथ दिग?बर जैन मंदिर बडोदिया में जयन्तिलाल खोडणिया परिवार द्वारा श्री भक?तामर महामंडल का विधान कर पू?य की अनुमोदना की गई । बडोदिया की सुधा बहन ने ली अष्टम प्रतिमा बडोदिया निवासी सुधा देवी धर्मपत्नी जयन्तिलाल खोडणिया ने अपने व्रतों में व्रद्धि करते हुए आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज से अष्टम प्रतिमा धारण कर वैराग्य की और अपना कदम आगे बढाया । इनके इस अष्टम प्रतिमा धारण करने से बडोदिया जैन समाज में हर्ष व्याप्त है । सुधा बहन के परिवार से जयन्तिलाल जैन, दीपेश जैन व टीना जैन, जयांश जैन,वीर जैन,विजेता तलाटी, कल?पेश तलाटी,नेहा जैन, अमित जैन, जैनिल जैन,निहारिका जैन,चारू जैन समस?त खोडणिया परिवार ने आचार्य श्री के आहार की खुशी का दो घंटे तक भक्ति न्रत?य कतरे हुए उत?साह में अभिव्रद्धि की । यात्रा संघ की बीच रास्ते में भक्ति झ आचार्य विद्यासागर यात्रा संघ परतापुर के करीबन पच्चास से अधिक युवा आचार्य श्री के दर्शन करने डोंगरगढ जा रहे थे कि रास्ते में जब उनको सुचना मिली की वागड के चौके में आचार्य श्री का आहार हुआ है तो बीच रास्ते में बस रूकवाकर करीबन आधे घंटे तक सभी भक्ति न्रत्य? करते हुए खुशीया मनाई ऐसी खुशी वागड के भक्तों के लिए पहली बार हुई है । ये जानकारी दीपक जैन ने दी।

निकला ताजिया जुलूस, युवाओं ने दिखाए करतब

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

कुशलगढः मुहर्रम इस?लामी महीना है और इससे इस?लाम धर्म के नए साल की शुरूआत होती है इस्लाम के मुहर्रम महीने की 10वीं तारीख को कर्बला की जंग में शहीद हुए पैंगबर मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन की याद में देशभर में ताजियां निकालकर मातम मनाया जाता है ताजिया निकालने के बाद उसे विसर्जित किया जाता है इस दौरान मातम के साथ-साथ उनकी शहादत को भी याद किया जाता है। मोहर्रम त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके साथ मनाया गया इस दौरान नगर मार्गो राज महल से सरकारी ताजिया के साथ दूसरे ताजिया जुलूस में शामिल हुए वो पांडवा साथ,राजेंद्र

मार्ग,गांधीचोक,नहेरू मार्ग,थांदला रोड पर दशहरा मैदान पर आखरी मुकाम हुआ। उसके पश्चात नागाधरा में ताजिया को ठंडे किया। ताजिया के जुलूस में काफी संख्या में मुस्लिम समुदाय के हर उम्र के लोग शामिल हुए जुलूस के साथ चल रहे विभिन्न सजावट से ताजिया लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे जिसे देखने के लिए सभी वर्ग के लोगो की भारी भीड़ रही ताजिया जुलूस में शामिल युवाओं ने एक से बढ़कर एक हैरत करने वाला प्रदर्शन करते हुए ₹ या अली या हुसैन ₹ के नारे लगा रहे थे। इस ताजिया जुलूस मे प्रशासन भी सख्त चौकन्ना रहा। सुरक्षा व शांति पूर्ण तरीके से मोहर्रम पर्व संपन्न कराने में तहसीलदार विरेंद्र सिंह राठौड़, पुलिस उप अधीक्षक रूपसिंह राठौड़, थाना अधिकारी रोहित कुमार भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे। वही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मोहर्रम जुलूस पर पुलिस प्रशासन पैनी नजर रखे हुए थे। ये जानकारी सदर जल्लुदीन ने दी और उनके नेतृत्व में समाजजन थे।

कलेक्टर व एसपी बस दुर्घटना में घायल मरीज से मिलने स्वयं पहुंचे जिला चिकित्सालय

मरुधर विशेष, करन सोनी

सरगुजा/कलेक्टर कुन्दन कुमार और पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा शनिवार को जिला चिकित्सालय में उदयपुर में हुई बस दुर्घटना में घायल मरीजों को देखने पहुंचे। कलेक्टर ने घटना की जानकारी संज्ञान में आते ही लगातार संबंधित एसडीएम एवं अस्पताल प्रबंधन से फॉलो अप लिया और हर संभव मदद करने के निर्देश जारी किए थे। इसके साथ ही कलेक्टर-एसपी स्वयं भी मरीजों को हाल जानने चिकित्सालय पहुंचे।इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रभारी डॉ अर्पण चौहान ने बताया कि यह सुबह 4 बजे की घटना है। कोरबा जा रही बस की दुर्घटना उदयपुर में पंचायत दावा में पुलिया के पास हुई जिसमें 17 लोगों के घायल होने की जानकारी मिली जिसमें से सात मरीजों को हाईवे पेट्रोलिंग, 112 और संजीवनी 108 के सक्रिय

सहयोग से जिला चिकित्सालय लाया गया। इनमें से तीन मरीज को एडमिट किया गया। इनमें से एक मरीज प्रतापगढ़ उदयपुर से थे, जिन्होंने स्वयं स्वास्थ्य बेहतर लगने पर डिस्चार्ज की इच्छा जताई, उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। अन्य मरीज सर्जिकल वार्ड में थे, उन्हें भी डिस्चार्ज कर दिया गया है। वर्तमान में एक महिला मरीज सर्जिकल आईसीयू में एडमिट हैं। महिला ने स्वयं को जौनपुर का बताया है। कलेक्टर-एसपी के निर्देश पर जौनपुर थाना में भी सूचना दी गयी है। शेष को रात में ऑब्जर्वेशन में रखा गया था। स्थिति ठीक होने के कारण उन्हें सुबह डिस्चार्ज कर दिया गया है। किसी की भी मृत्यु नहीं हुई है। कलेक्टर, एसपी एवं एसडीएम अंबिकापुर द्वारा आज निरीक्षण किया गया है।कलेक्टर कुन्दन ने निरीक्षण कर भर्ती मरीज से उनका हालचाल जाना। कलेक्टर ने अस्पताल प्रबंधन को मरीज के परिजनों को सूचना देने और हर संभव मदद करने के विशेष निर्देश दिए हैं।

ऑनलाइन ठगी के दो मास्टरमाइंड गिरफ्तार

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामा - कैथवाडा थाना पुलिस ने ऑनलाइन ठगी के दो मास्टरमाइंड गिरफ्तार किए है ठगों के कब्जे से पुलिस ने दो एंड्राइड मोबाइल दो फर्जी सिम जप्त किएकैथवाडा थाना अधिकारी कमरुद्दीन खान ने बताया की व्हाट्सएप पर नटराज पेंसिल का विज्ञापन डालकर भोले भाले लोगों से ठगी करने वाले मुसेद पुत्र सद्दीक जाति मेव निवासी सटपड़ा थाना जुरहरा व अब्दुल पुत्र यूनुस जाति मेव निवासी लड्डूपुरा थाना कामा को गिरफ्तार किया है गिरफ्तार ठगों से दो एंड्राइड मोबाइल दो फर्जी सिम भी जप्त किए हैं आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है और भी अन्य ठगी की वारदातों का खुलासा होने की संभावना है

मुंडावर क्षेत्र के दो नगर अध्यक्ष और ग्यारह मण्डल अध्यक्षों की घोषणा की

मरुधर विशेष/ जिला रिपोर्टर हवासिंह चौधरी

मुंडावर। पूर्व केन्द्रीय मंत्री भवर जितेंन्द्र सिंह एवं जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा की अभिशंषा व ब्लाक कांग्रेस मुंडावर के अध्यक्ष अखिलेश कौशिक तथा नीमराना ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष संजय सिंह चौहान के निवेदन पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आदेश पर प्रदेश संगठन महामंत्री ललित तूनवाल ने मुंडावर क्षेत्र के दो नगर अध्यक्ष और ग्यारह मण्डल अध्यक्षों की घोषणा की है, मुंडावर संगठन महामंत्री एस.रामवतार चौधरी ने बताया कि मुंडावर नगर कांग्रेस अध्यक्ष मोहरसिंह गुजर, नीमराना नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेदप्रकाश सैनी को तथा पूर्व सरपंच नेमीचंद गुवारिया अजरका , प्रकाश कुण्डु को सरायकला , पूर्व सरपंच भूपसिंह चौहान को पेहल, अयूब खान को जीन्दोली, पूर्व सरपंच रामवीर अहीर को ततारपुर, सोमदत्त शामदिया को शामदा, पूर्व सरपंच शेर सिंह मेघवाल को सोड़ावास, मुकेश शर्मा पंच को जाट बहरोड़, लक्ष्मी कान्त मीणा को बीजवाड चौहान, ओमप्रकाश मेघवाल को शाहजहांपुर तथा सुजान सिंह यादव को घीलोट मण्डल का अध्यक्ष नियुक्त किया है। सभी अध्यक्षों को सात दिवस में मण्डल कार्यकारिणी बनाने और पार्टी की रीति नीतियों तथा सरकार की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

कठूमर में कांग्रेस का ब्लॉक स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ आयोजित

मरुधर विशेष /दिनेश लेखी

कठूमर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कठूमर द्वारा विधानसभा क्षेत्र का कांग्रेस कार्यकताओं का सम्मेलन अध्यक्ष शिब्बोराम गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित किया।गया ब्लॉक अध्यक्ष ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देशराज पहाड़िय प्रभारी सचिव ने कहा कि पार्टी संगठन को मजबूत करने एवं आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को जिताने का आह्वान किया वही बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा राजस्थान में चलाई जा रही योजनाओं से आमजन को राहत मिल रही है। जिससे आम जन जीवन मे खुशी का माहौल बना हुआ है। इस मौके पर कार्यकर्ता सम्मेलन में जिला परिषद सदस्य संजय गुर्जर, संजना जाटव, घनश्याम शर्मा, कैलाश शर्मा, हरभजन जाटव कमल जाटव, युवा नेता आदित्येंद्र कुमार, खेरली रेल सरपंच प्रशांत सिंह ,रेटा सरपंच गयालाल, मैंथना सरपंच सुकेश गुर्जर , हरिओम गुर्जर, भोवल जाटव, सोनी सहित सैंकड़ों कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

भारतीय जैन संगठना शाखा खेरली द्वारा दो दिवसीय स्मार्ट गर्ल वर्कशॉप का आयोजन हुआ शुभारंभ

मरुधर विशेष । दिनेश लेखी

कठूमर। भारतीय जैन संगठना शाखा खेरली द्वारा दो दिवसीय स्मार्ट गर्ल वर्कशॉप के आयोजन का शुभारंभ पल्लीवाल जैन धर्मशाला खेरली में किया गया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता रामबाबू जैन ने की मुख्य अतिथि सुरेश चंद जैन ट्रेनर के रूप में हिंगोली महाराष्ट्र से पधारे रत्नाकर महाजन ने बालिकाओं के साथ संवाद स्थापित करते हुए उन्हें अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों से किस प्रकार निपटा जाए जगरुकता के साथ सफलता के लक्ष्य शिखर को छुआ जाए और अपना सशक्तिकरण कैसे किया जाए। कार्यक्रम में कुल 67 बालिकाओं ने भाग लिया जिसमें सकल जैन समाज की भागीदारी रही इस मौके पर कार्यक्रम में भारतीय जैन संगठन खेरली शाखा के अध्यक्ष डॉ मनीष जैन, महामंत्री निर्मल जैन, उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन, कार्यालय अध्यक्ष सुनील जैन, ललित जैन ,महावीर जैन ,धीरज जैन, विकास जैन, दीपक जैन ,राजेश जैन ,निखिल जैन ,पवन जैन ,संजय जैन, ललित जैन, पुष्पेंद्र जैन आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खेरली में भाजपा के पांचों मंडलो की जयपुर की महारैली को लेकर संयुक्त बैठक हुई संपन्न

मरुधर विशेष /दिनेश लेखी

कठूमर। भारतीय जनता पार्टी कठूमर विधानसभा के पांचों मंडलों की संयुक्त बैठक अंजली पैलेस खेड़ली में आयोजित की गई।कार्यक्रम के विधानसभा संयोजक सुनील गोयल ने बताया की बैठक में मुख्य अतिथि जिला संगठन प्रभारी भाजपा रोशन लाल सैनी रहे। वही बताया कि भाजपा द्वारा आयोजित कार्यक्रम नहीं सहेगा राजस्थान आने वाली 1 अगस्त को जयपुर में महारैली आयोजित की जा रही है। जिसमें कठूमर विधानसभा से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता और आमजन को जयपुर चलने का आह्वान किया। जिसमें राजस्थान की कांग्रेस सरकार के कुशासन से त्रस्त,आमजन दलितों पर अत्याचार, युवाओं का पेपर लीक सभी मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के संयोजक सुनील गोयल व सहसंयोजक संयोजक पंकज कटारा ने बताया कठूमर विधानसभा क्षेत्र से 2000 कार्यकर्ता 1 अगस्त को कांग्रेस सरकार के महा घेराव में जयपुर जाएंगे इस दौरानपूर्व मंत्री मंगल राम कोली, पूर्व विधायक रमेश खींची, जिला महामंत्री शिवलाल मीणा, पवन जैन, जिला उपाध्यक्ष राजकुमार पंडा, प्रेम भवानी, श्वेता जैन ,राजेश लोहिया, कठूमर से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी बाबूलाल मैनेजर, राजेश जाटव कठूमर, मुन्नी देवी, नरसी किराड़, मंडल अध्यक्ष शिवचरण अवस्थी, भीम सिंह गुर्जर ,सुनील बजाज, गजेंद्र सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष कला राम गर्ग, श्याम शरण सिंह, पार्षद हरबीर गुर्जर, मुरारी सैनी, महावीर गौतम, गोविंद साहू ,महेश पाराशर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कस्बा में 11 हजार केवी का तार टूटने से एक व्यक्ति झुलसा, जिला अस्पताल किया रैफर

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामां/कस्बा के जुरहरा रोड स्थित शीतलाकुण्ड के समीप 11 हजार केवी का बिजली का तार टूटकर गिरने से एक व्यक्ति गम्भीर रूप से झुलस गया। जिसको उपचार के लिए कामां सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल रैफर कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार जुरहरा रोड स्थित शीतलाकुण्ड निवासी हंसा पुत्र किशनलाल शनिवार प्रातः करीब 10 बजे अपने घर के पास ही पशु बाडे में अपनी एक भैंस को चारा डाल रहा था कि उपर से गुजर रही कलावटा फीडर की 11 हजार केवी की लाईन का एक तार टूटकर उस पर गिर गया। करंट लगने से हंसा की चींख पुकार सुनकर अन्य परिजनों ने उसे करंट से छुडाया। शीतलाकुण्ड निवासी लोगो का कहना था कि रात्रि को भी इस 11 हजार केवी बिजली लाईन में चिंगारी निकल रही थी जिसकी सूचना जयपुर डिस्कॉम के कर्मचारियों को दी गई थी लेकिन कोई भी कर्मचारी इस लाईन के करंट को बंद करने नही पहुंचा था। कलावटा फीडर की इस लाईन में दो पोलो पर एक ही इन्सुलेटर लगे हुये है जबकि तीन इन्सुलेटर लगे होते तो बिजली के तारों में आग नही लगती और तार टूटकर नही गिरता। इस संबंध में जयपुर डिस्कॉम के सहायक अभियंता अनुराग शर्मा का कहना था कि कलावटा फीडर के लाईनमैन की लापरवाही रही है। और लाईन को दुरूस्त करके सुचारू रूप से चालू करवा दिया गया है।

एक नजर

निवेशकों के साथ स्थापना दिवस मनाया

भीलवाड़ा 29 जुलाई। शहर के पुर रोड़ स्थित कोटक सिक्युरिटीस लिमिटेड की शाखा के 18वें वर्ष में प्रवेश करने पर कर्मचारियो एवं अधिकारियो ने निवेशको के साथ स्थापना दिवस मनाया। इस दौरान शाखा प्रबंधक मुकेश छीपा ने बताया कि वर्तमान में कंपनी द्वारा भीलवाड़ा शहर में दस हजार से अधिक ग्राहको को बीमा,म्युचल फंड,शेयर,कमोडिटी,मुद्रा एवं लोन इत्यादि सेवाये दी जा रही है। इस दौरान विक्रय प्रबंधक शुभम चैधरी,सिद्वार्थ जैन, अनुभव शर्मा,विक्रेता सौरभ गुगलिया,अक्षिता बाहेती,ईशा जैन व सत्यनारायण राणावत सहित शहर के कई निवेशक उपस्थित थें।

हिन्दुस्तान जिंक द्वारा किशोर मूक बधिर बालिकाओं के लिए जागरूकता सत्र आयोजित

भीलवाड़ा 29 जुलाई। मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता महिलाओं और किशोर बालिकाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण है। बालिकाओं और महिलाओं को मासिक धर्म संबंधी संपूर्ण जानकारी से संवेदनशील बनाना, मासिक धर्म स्वच्छता के प्रबंधन के लिए आवश्यक है, साथ ही उन्हें सुरक्षा की भावना भी प्रदान करना है। हिन्दुस्तान जिंक के जीवन तरंग कार्यक्रम में मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ाने के लिए मूक बधिर किशोर बालिकाओं के लिए वर्चुअल जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। सत्र में उदयपुर, भीलवाडा, अजमेंर एव नोएडा से 300 से अधिक बालिकाओं ने भारतीय सांकेतिक भाषा में प्रशिक्षक से महिला प्रजनन प्रणाली, मासिक धर्म, मासिक धर्म उत्पाद, सैनिटरी नैपकिन का उपयोग, सैनिटरी नैपकिन का निपटान, ओव्यूलेशन और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में शिक्षा प्राप्त की। प्रभावी मासिक धर्म प्रबंधन के महत्व पर चर्चा करने के साथ-साथ, प्रशिक्षकों ने मासिक धर्म से जुड़े सामाजिक पहलुओं के बारे में भी चर्चा की। इसके अलावा, मासिक धर्म के दौरान तीव्र दर्द के कुछ घरेलू उपचारों पर भी चर्चा की गयी। सत्र मुख्य उद्देश्य किशोरियों को स्वस्थ व्यवहार अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना, मासिक धर्म के दौरान आमतौर पर होने वाली झिझक और चिंता को कम करना एवं उन्हें स्वस्थ मासिक धर्म की आदतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

माहेश्वरी महिला संगठन ने विभिन्न स्थानों पर किया पौधारोपण

भवानी मंडी- अखिल भारतीय महेश्वरी महिला संगठन और पूर्वी राजस्थान माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वाधान में स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल ने संकल्प सिद्धि समिति के तहत नव हरीतिमा औषधीय पौधारोपण में शहर के विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया जिसकी शुरूआत श्री गोपाल गौशाला से की गई। उसके बाद इंडस्ट्री एरिया,ज्ञान विहार स्कूल और श्री राधेश्याम मंदिर बगीची में पौधारोपण किया जिसमें उन संस्थाओं के प्रतिनिधि कैलाश बोहरा, केके राठी,यशवंत डड्डा , कमल सुरेखा , गोविंद भराड़िया , प्रदीप शर्मा , मनीष जाखेटिया ,आनंद भराडिया ,श्रेया भराडिया, कंचन राठी , मंजू भराडिया, निशा भराडिया , अलका भूतड़ा , आशा काग्या, मीनाक्षी जाखेटिया, लता मुंदड़ा, नीतू काग्या,नीतू बाहेती आदि मौजूद रहे।

सैनी कर्मचारी एंव अधिकारी विकास संस्था का राज्य स्तरीय विभूति सम्मान समारोह 30 जुलाई को होगा आयोजित

जयपुर । सैनी कर्मचारी एवं अधिकारी विकास संस्था की जयपुर जिला इकाई के तत्वाधान में 30 जुलाई को झालाना स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में भव्य समारोह का होगा आयोजन। संस्था जिला अध्यक्ष अध्यक्ष डॉ. पूनम सैनी व संभाग प्रभारी भागचन्द सैनी ने बताया कि समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा ऐतिहासिक कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आज संस्था के पदाधिकारियों द्वारा व्यवस्था को लेकर मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. सुनीता सैनी , रमेश सैनी , संजय सैनी , सुनील सैनी , महेश सैनी , प्रकाश सैनी , घनश्याम सैनी ,के.के.सैनी , श्रवण लाल माली , लेखराज सैनी आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इमाम हुसैन की याद में मोहर्रम का पर्व मनाया

भवानी मंडी- शहीदे कर्बला हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मोहर्रम का पर्व मनाया गया। शहर के प्रमुख मार्गों से ताजिए निकाले गए जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग शामिल थे। वक्फ बोर्ड पचपहाड़ तहसील चेयरमैन जाकिर मिंडा ने बताया कि मोहर्रम के जुलूस में अजमेर और मुरादाबाद की कव्वाल पार्टी आई थी जिन्होंने जुलूस के आगे चलकर समां बांध दिया। मिंडा ने बताया कि जुलूस के आगे अखाड़ा चल रहा था जिसमें हैरतअंगेज कारनामे दिखाए गए और मोहर्रम के जुलूस का जगह जगह भव्य स्वागत किया गया।

जिसने मामला दर्ज करवाया वही निकला चोर

जोधपुर .जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने ट्रक चालक को उसी के ट्रक की चोरी के मामले में गिरफ्तार किया है। दरअसल ट्रक चोरी मामले में रिपोर्ट लिखवाने वाला खुद ही चोर निलका उसने बीमा क्लेम की राशि हड़पने के लालच में ट्रक चोरी का प्लान किया और खुद ही उसमें फंस गया। 23 जुलाई को जोधपुर के मथानिया थाने में कडवासरों की ढाणी रायमलवाडा निवासी श्रवणराम पुत्र निम्बाराम जो कि पेशे से ड्राइवर है उसने अपने ट्रक के चोरी होने का मामला दर्ज करवाया। रिपोर्ट में बताया कि उसका 14 चक्कों का 40 लाख का ट्रक 14 जुलाई को मथानिया बाईपास चौराहे के पास आर के भोजनालय के पास खड़ा किया था। और वह घर चला गया। 17 जुलाई को कोई अज्ञात चोर उसके ट्रक को चुरा कर ले गए। पहले अपने स्तर पर पता लगाया फिर 23 जुलाई को मामला थाने में दर्ज करवाया। इस पर मथानिया थाने में मामला दर्ज किया। मथानिया थानाअधिकारी राजीव भादू ने बताया कि उच्च अधिकारियों के सुपरविजन में टीम बनाई लगातार रात दिन आरोपियों की तलाश की। तलाशी के दौरान पुलिस को ट्रक मालिक पर ही शक हुआ और वारदात का खुलासा हो गया। ट्रक की दो चाबियां थी और ट्रक बिना चाबी के चुराना संभव नहीं था। पुलिस को जब पता चला कि दोनों चाबियां ट्रक मालिक के पास ही है तब उस पर शक हुआ। इस पर पुलिस ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखी। संदिग्ध गतिविधियां होने से पुलिस ने उससे ही सख्ती से पूछा तब वारदात कबूल कर ली। आरोपी श्रवण कुमार ने अपना ही ट्रक के चोरी की रिपोर्ट इसलिए लिखवाई क्योकि वह ट्रक चोरी के बाद बीमा के लिए क्लेम करता और बीमा राशि हड़पना चाहता था। आरोपी का ट्रक 40 लाख कीमत का है और 38 लाख के करीब उसे बीमा मिलता। इस लालच में यह प्लान अपने मित्र विनायकपुरा निवासी श्याम विश्नोई के साथ मिल कर किया और पकड़ा गया। पुलिस ने श्याम विश्नोई को भी गिरफ्तार किया है। इस प्लान में इसके साथ एक सहयोगी भी था जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

स्वीकृति के बाद निर्माण हुआ ही नहीं, जाँच में पहुचे प्रभारी सीईओ ने कहा जो काम हुआ हैं उसमे क्या तकनिकी स्टीमेट हैं जाँच रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेजा जाएगा.

मरुधर विशेष, करन सोनी

बलरामपुर/ जिला के जनपद पंचायत कुसमी अंतर्गत ग्राम पंचायत कंजिया में राज विद्या केंद्र के सदस्यों ने आपसी जनसहयोग कर वर्ष 2020 से बैठक हाल का भवन निर्माण शुरू किया हैं. जिस अधूरे व पूर्व से बनाए जा रहें भवन को दिखाकर विधायक मद से आठ लाख की राशि स्वीकृत होने के बाद विधायक प्रतिनिधि व मंडी अध्यक्ष द्वारा छल पूर्वक चार लाख रुपए अग्रिम राशि आहरण किए जाने के मामलें में गुरुवार 27 जुलाई को जाँच टीम के द्वारा उपस्थित राज विद्या केंद्र के सदस्यों का ब्यान लिया गया.गठित जाँच टीम में शामिल जनपद पंचायत कुसमी के प्रभारी सिईओ सह पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अभिषेक पाण्डेय, शंकरगढ़ के आरईएस एसडीओ जानू राम सोनवानी व कुसमी जनपद पंचायत के करारोपण अधिकारी महेश राम बुनकर उक्त तीनों सदस्यों ने गुरुवार को राज विद्या केंद्र के कूछ पदाधिकारियों से पंचनामा तैयार कर ब्यान लिया. तथा पंचनामा की एक कॉपी तक राज विद्या केंद्र के लोगों को नहीं दी गई. बल्कि जाँच टीम ने संतुष्टी जनक जांच का एक कागज तैयार कर केंद्र के लोगों से बकायदा हस्ताक्षर कराई गई व वीडियो ग्राफी में भी बातों को प्रस्तुत करा कर ब्यान रिकॉर्ड किया गया.

निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत, पर निर्माण कर्ता ठेकेदार विधायक प्रतिनिधि व मंडी अध्यक्ष

राज विद्या केंद्र के बगल में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य के लिए विधायक मद से स्वीकृत करा कर जनपद पंचायत कुसमी द्वारा ग्राम पंचायत कंजिया को एजेंसी बनाया गया हैं ग्राम पंचायत कंजिया एजेंसी होने के बाद भी पंचायत के सरपंच व सचिव द्वारा कार्य नहीं कराया गया बल्कि विधायक प्रतिनिधि राशिद आलम व मंडी अध्यक्ष बालेश्वर राम ने कुट रचना पूर्वक स्वम् अघोषित ठेकेदार बनकर कार्य किये जाने के नाम पर स्वम् के कागजो में संचालित अविष्कार मार्केटिंग के नाम की फर्म पर शासन झ सत्ता का दबाव बनाकर छल पूर्वक बिना कार्य के चार लाख रुपए अग्रिम राशि निकाल लिया. जिस ओर जाँच न कर मामलें में लीपापोती किए जाने की बात सामने आ रहीं हैं। साथ ही इस मामलें का शुरूआत से खबर प्रकाशन करने वाले पत्रकारों से भी जाँच अधिकारी गोल-मोल जवाब देकर जानकारी उपलब्ध नहीं करा रहें हैं. इससे स्पष्ट हैं की जाँचकर्ता अधिकारी व्यक्तिगत लाभ दिलाने अपने मूल पद के अलावा कुसमी का प्रभारी सीईओ बनकर बैठें हैं. ऐसे में उच्च अधिकारीयों को संज्ञान लेना चाहिए ?

अन्य कार्य किए जाने प्रलोभन देकर मामलें को रफा झ दफा किए जाने का प्रयास

स्वीकृत राशि से कोई भी निर्माण कार्य किया ही नहीं गया हैं. बल्कि मामला सामने आने के बाद इस मामलें को दबाने भरपूर प्रयास किया जा रहा हैं तरह झ तरह का प्रलोभन देकर राज विद्या केंद्र के कूछ लोगों को बहला झ फुसला कर मामला रफा झ दफा करने के लिए दबाव बनाई जा रहीं हैं. राज विद्या केंद्र के सदस्यों द्वारा आवेदन में उल्लेख के अनुसार वर्ष 2022 के दिसंबर माह में विधायक से सहयोग मांगने के बाद निर्माणधीन बैठक हाल के लिए उन्हें करीब एक लाख पचास हजार रुपए का शेड सामग्री सामुदायिक भवन निर्माण किए जाने के पहले ही दिया गया था. जिसे जनसहयोग से केंद्र के सदस्यों ने फिटिंग किया हैं. अब उक्त मामलें के खुलासे बाद स्वीकृति के पहले से विधायक द्वारा सहयोग में दिए गए शेड समाग्री में अग्रिम राशि खपत किए जाने की काल्पनिक योजना बनाई जा रहीं हैं. इतना ही नहीं सामुदायिक भवन के नाम से स्वीकृत आदेश के विपरीत शौचालय निर्माण किए जाने की भी योजना बनाई जा रहीं हैं. ताकि मामलें के दोषियों को बचाया जा हों सकें. अब झ तक दोषियों पर कार्यवाही लंबित हैं न ही किसी प्रकार का निर्माण कार्य एजेंसी ग्राम पंचायत कंजिया द्वारा किया गया हैं. जाँच टीम के द्वारा दोषियों को बचाने नई योजना एक रणनीति के तहत बनाया जाना कई सवालों को जन्म दें रहा हैं. पूरा मामला उच्च स्तरीय जाँच का विषय बन गया हैं.

स्वीकृति के बाद कार्य हुवा ही नहीं और क्या कह गए जाँच दल के अध्यक्ष

गुरुवार को जाँच करने पहुचे जनपद पंचायत के प्रभारी सीईओ व जाँच दल के अध्यक्ष अभिषेक पाण्डेय ने मिडिया के सामने कैमरे में कहा जो शिकायत हुई थीं उसकी जाँच के लिए आये थें हमारे साथ एसडीओ साहब आये हैं जो काम हुवा हैं उसमे क्या तकनिकी स्टीमेट हैं जाँच रिपोर्ट तैयार कर जिला प्रशासन को भेजा जाएगा. इस ब्यान से समझा जा सकता हैं की जाँच दल के अध्यक्ष किस विचारधारा के साथ कार्य कर रहें हैं.वहीं राज विद्या केंद्र के सदस्यों ने कहा आज जाँच करने आये थें. हमलोग का ब्यान लिए हैं. पंचनामा की एक प्रति कॉपी नहीं दी गई हैं.

जिस कुर्सी से अग्रिम चेक कटी उसी कुर्सी के अधिकारी को बनाया गया जाँच टीम का अध्यक्ष

जाँच टीम गठन किए जाने बाद लोगों में चर्चा हैं की राज विद्या केंद्र के सदस्यों द्वारा कलेक्टर को शिकायत के एक माह बाद जाँच टीम का गठन तो किया गया. पर इस ओर जाँच टीम में शियासती चाल नजर आ रहीं हैं. जाँच टीम गठन आदेश में जनपद पंचायत कुसमी के सीईओ को जाँच टीम का अध्यक्ष बनाया गया हैं जबकी कुसमी सीईओ द्वारा ही चेक काटने का आदेश जारी किया हैं यह बात अलग हैं की अधिकारी का नाम भले बदला हैं पर मामला तो जनपद सीईओ से जुडा हुवा ही हैं इस स्थिति में पूरी पारदर्शिता के साथ जाँच नहीं हों पाएगा. जाँच टीम किसी अलग विभाग से गठित किया जाने से ही राज विद्या केंद्र के सदस्यों को न्याय मिला पाएगा. जाँच में खानापूर्ति की तैयारी चल रहीं हैं तथा किसी तरह मामलें को दबाने का प्रयास किया जा रहा हैं. जो जनहित में बिल्कुल विपरीत हैं. राज विद्या केंद्र से हजारों लोग जुड़े हैं निष्पक्ष जाँच कर मामलें में दोषियों पर त्वरित कार्यवाही किया जाना चाहिए था.

तेरापंथ सेवा संस्थान का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

भीलवाड़ा 29 जुलाई। शहर के नागौरी गार्डन स्थित तेरापंथ भवन में आयोजित तेरापंथ सेवा संस्थान भीलवाड़ा के शपथ ग्रहण समारोह में शासनश्री मुनि श्री हर्षलाल जी ने कहा कि किसी भी संगठन की सफलता सामुहिक जिम्मेदारी और लक्ष्यों के प्रति समर्पण से ही संभव है। उन्होंने कहा कि संस्थान की नवगठित कार्यकारिणी तेरापंथ धर्मसंघ की प्रभावना में वृद्धि कर संघ का गौरव बढ़ायेगी। मुनिश्री यशवंतकुमार जी ने कहा कि संस्थान की नई टीम उत्साह के साथ धार्मिक एवं सामाजिक कार्य कर सकारात्मक परिणाम सामने लायेगी। मुनिश्री पारस कुमार जी ने भी शुभकामनाएँ दी। समारोह के मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष एवं शांति व अहिंसा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अक्षय त्रिपाठी थें। उन्होंने नव मनोनीत अध्यक्ष शैलेन्द्र बोरदिया व नवगठित कार्यकारिणी को बधाई देते हुये सफल कार्यकाल के लिये शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए केसरसिंह नैनावटी ने संस्थान की जानकारी दी। निवर्तमान अध्यक्ष गणपत पीतलिया ने नवमनोनीत अध्यक्ष शैलेन्द्र बोरदिया को शपथ ग्रहण करा कार्यभार सौंपा। शैलेन्द्र बोरदिया ने अपनी नवगठित

> शहर के नागौरी गार्डन स्थित तेरापंथ भवन में आयोजित तेरापंथ सेवा संस्थान भीलवाड़ा के शपथ ग्रहण समारोह में शासनश्री मुनि श्री हर्षलाल जी ने कहा कि किसी भी संगठन की सफलता सामुहिक जिम्मेदारी और लक्ष्यों के प्रति समर्पण से ही संभव है। उन्होंने कहा कि संस्थान की नवगठित कार्यकारिणी तेरापंथ धर्मसंघ की प्रभावना में वृद्धि कर संघ का गौरव बढ़ायेगी। मुनिश्री यशवंतकुमार जी ने कहा कि संस्थान की नई टीम उत्साह के साथ धार्मिक एवं सामाजिक कार्य कर सकारात्मक परिणाम सामने लायेगी। मुनिश्री पारस कुमार जी ने भी शुभकामनाएँ दी। समारोह के मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष एवं शांति व अहिंसा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अक्षय त्रिपाठी थें।

कार्यकारिणी की घोषणा की जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुन्दरलाल हिरण,उपाध्यक्ष राकेश हिरण,राकेश झाबक,मंत्री नरेश नाहटा,सहमंत्री संदीप भण्डारी,लादुलाल सिरोहिया,कोषाध्यक्ष दुष्यंत रांका,संगठन मंत्री प्रवीण नैनावटी,प्रचार प्रसार मंत्री राकेश बापना सहित कार्यकारिणी सदस्य दिनेश पीतलिया,ललित दुगड़,नीलेश नैनावटी,सुनील दक(देवगढ़),सुरेश कोठारी,लक्ष्मीलाल चैधरी,विनोद मारू,राकेश मेड़तवाल,प्रमोद पीतलिया, अशोक श्रीमाल,धर्मेन्द्र कोठारी को मनोनीत किया। युवा प्रकोष्ठ में राकेश जीरावला,राकेश बोहरा,महिला प्रकोष्ठ में स्नेहलता पीतलिया,दिव्या बोरदिया,चिकित्सा प्रकोष्ठ में डॉ. एल.एल.सिंघवी,डॉ.चेतन सामर,जप तप प्रकोष्ठ में सूर्यप्रकाश तातेड़,महेन्द्र जीरावला,मार्ग सेवा प्रकोष्ठ में नवरतन डागा,पुनीत बोहरा तथा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ में धर्मेन्द्र छाजेड़,मुकेश रांका को जिम्मेदारी दी गई। संरक्षक के रूप में डा. रोशनलाल पीतालिया,प्रभाकर सिंह नौनावटी,भौरूलाल बापना,सम्पतलाल खाब्या,केसरसिंह नैनावटी,पारसमल बोहरा,गणपत पीतलिया तथा परामर्शदाता मंडल में डा.एमएल जैन,लालचन्द नौलखा, शान्तिलाल श्रीमाल,बाबुलाल बोहरा,शान्तिलाल सिंघवी, सुखलाल हिरण,सुमेरसिंह नैनावटी,बाबुलाल पीतलिया, पुष्पेन्द्र सिसोदिया,शंकरलाल नाहटा,विनोद सुराणा को सम्मिलित किया गया। विशेष आमंत्रित में डॉ पुखराज बोहरा,नवीन वागरेचा,विकास बाबेल,सुरेश पीतलिया, मीठ्ठालाल कावड़िया,विनोद पीतलिया,भैरूलाल बड़ौला, अंकुर बोरदिया,रजनीश नौलखा,गौतम दक(देवगढ़),धीरज सूर्या,रवीन्द्र मारू,नवरतन रांका,राकेश सिंघवी,राकेश नंगावत,अलिन्द नैनावटी,सतीश दक को शामिल किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में तेरापंथी सभा के अध्यक्ष जसराज चैरड़िया,संरक्षक प्रभाकर सिंह नैनावटी,भैरूलाल बापना,पारसमल बोहरा,सम्पत खाब्या,केसरसिंह नैनावटी, गणपत पीतलिया ने मुख्य अतिथि अक्षय त्रिपाठी का माला एवं उपरणा पहना कर तथा साहित्य भेंट कर सम्पूर्ण समाज की ओर से स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में तेरापंथ समाज के श्रावक

नव दिवसीय बहूकुंडात्मक रूद्र महायज्ञ श्रीनगर अजमेर में लगी चार लाख आहुतियां

निमेड़ श्रीनगर के नौलखा में पार्हसिह बाबा गो धाम में चल रहे नवदिवसीय बहुकुण्डात्मक रूद्र महायज्ञ के यज्ञाचार्य पं सत्यनारायण शास्त्री माचवा ने बताया कि यह महायज्ञ श्रावण मास पुरूषोत्तम मास में भगवान शिव को प्रसन्न करने हेतु करवाया जा रहा है सम्पूर्ण विधि विधान से करवाया जा रहा है।यज्ञ से पूर्व द्वादश ज्योतिलिंर्गो का पूजन व रुद्राभिषेक करवाया जा रहा है। प्रतिदिन गो पूजन भी हो रहा है एवं देशी गो घृत से ही आहुतियां दिलवाई जा रही है।अब तक इस महायज्ञ में चार लाख से अधिक आहुतियां लगाई जा चुकी हैं। उपाचार्य पं बृजमोहन शास्त्री नांदरी बनवारी लाल शर्मा

हाथोंज व पुरूषोत्तम गोड सुरेश शास्त्री सहित 21विद्वान सहयोग कर रहे हैं। राम कथा के माध्यम से साध्वी कृष्णा दीदी ने बताया कि भगवान श्रीराम को मयार्दा पुरुषोत्तम इसलिए कहा जाता है कि वे नर लीला के माध्यम से संसार मयार्दा में रहकर जीने का सन्देश दिया है। भगवान भोलेनाथ अवढर दानी है। महामृत्युंजय देव हैं।यज्ञ आयोजक राज भैया ने बताया कि भगवान शिव की कृपा यदि प्राणी मात्र पर हो जाय तो वह निर्भय हो जाता है।यज्ञ में प्रधान यजमान रणजीत, प्रकाश यादव लल्लू जी घासी जी सीताराम नारायण, नरेंद्र सहित सभी यजमान आहुतियां दे रहे हैं।

छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष, श्री सुशील सन्नी अग्रवाल के द्वारा हितग्राहियों को 89 लाख से अधिक राशि का चेक वितरण

मरुधर विशेष, करन सोनी

कोरिया /छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष, श्री सुशील सन्नी अग्रवाल जी के दो दिवसीय दौरे के दौरान आज जिले में बैकुंठपुर के मानस भवन में श्रम विभाग के द्वारा श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया था मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। श्री अग्रवाल द्वारा मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी के मंशानुरूप छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य संचालित श्रमिक हितैषी योजनाओं के अन्तर्गत हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत राशि रुपए 89 लाख 64 हजार का चेक वितरण किया गया।इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेष बघेल की मंशा है की अब मजदूर का बच्चा मजदूर नही रहेगा। इसी टैग लाइन के साथ आज श्रमिक साथियों के लिए मंडल में युवा से लेकर सियान तक के लिए योजनाएं संचालित की जा रही है। मेरा सभी श्रमिक साथियों से निवेदन है की अधिक से अधिक संख्या में अपना पंजीयन कराकर इन योजनाओं का लाभ उठाए और अपना एवं अपने बच्चों के जीवन को सफल बनाएं।इस अवसर पर सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं भरतपुरह्र-सोनहत क्षेत्र के विधायक श्री गुलाब सिंह कमरों, श्री योगेश शुक्ला, श्री वेदांती तिवारी, श्री प्रदीप गुप्ता, श्री प्रवीण भट्टाचार्य, श्री संगीता राजवाड़े, श्री अविनाश पाठक, श्री सुरेश साहू, श्रीमती रकीबा, श्री रविशंकर राजवाड़े सहित भारी संख्या में श्रमिक साथी मौजूद रहे।

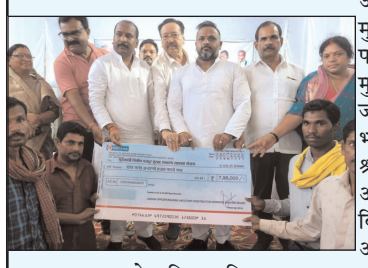

जशपुर से बड़ी दुखद खबर ! 9 लोगों पर बिजली का कहर1 की मौत बाकि गंभीर

मरुधर विशेष, करन सोनी

जशपुर/जशपुर से बड़ी खबर है। आकाशीय बिजली ने दो अलग अलग परिवार के 9 लोगों को अपनी चपेट में लिया है। जिसमें एक की मौत हो गई है, वहीं 8 लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।मिली जानकारी के मुताबिक बगीचा के छिछली गांव में एक ही परिवार के मां-बेटा और 4 बेटियां चपेट में आई हैं, जिसमें से बेटे की मौत हो गई है। वहीं भड़िया गांव में तीन लोग चपेट में आए हैं। बताया जा रहा है कि तीनों गंभीर रूप से घायल हैं, जिसे उपचार के लिए बगीचा स्वास्थ्य केंद्र लाया गया है। तहसीलदार और पुलिस प्रशासन मौके पर मौजूद है। घायलों का इलाज जारी है। इन परिस्थितियों में दोनों परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा

अवैध नशीली कफ सिरप के साथ तीन गिरफ्तार

मरुधर विशेष, करन सोनी

बलरामपुर/ जिले के रामानुजगंज पुलिस ने 106 नग अवैध नशीली कफ सिरप के साथ तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से नशीली कफ सिरप के साथ-साथ दो मोटरसाइकिल मोबाइल को जब्त किया है।रामानुजगंजपुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियों के द्वारा कंचन नगर गांव में नशीली कफ सिरप के लिए ग्राहक की तलाश की जा रही थी तभी मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई मुखबिर की सूचना के आधार पर घेराबंदी करते हुए आरोपियों को धर दबोचा गया और उनके पास से 106 नग अवैध नशेड़ी कफ सिरप जब किया गया है जहां एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आरोपियों को जेल भेजा जा रहा है।

कैलाश वर्मा के नेतृत्व में भाजपा द्वारा जयपुर शहर की बगरू विधानसभा में FIR कैम्प लगाया गया राजीव दाधीच-

मरूधर विशेष/विशेष सवांददाता

जयपुर- प्रदेश की भ्रस्टाचारी एवं पेपरलीक कांग्रेस सरकार के कुशासन एवं जंगलराज के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर द्वारा चलाये जा रहे राज्य स्तरीय अभियान ' नही सहेगा राजस्थान'कार्यक्रम के तहत आज बगरू विधानसभा के प्रताप नगर मंडल के टोंक रोड स्तिथ वार्ड 104 में एफ.आई.आर कैम्प लगाया गया जिसमें उपस्थित स्थानीय नागरिकों एवम कार्यकर्ताओ द्वारा कांग्रेस सरकार के खिलाफ आरोप दर्ज करवाये इस अवसर पर मशाल जुलूस भी निकाला गयाइस अवसर पर बगरू विधानसभा के पूर्व विधायक एवम संसदीय सचिव डॉक्टर कैलाश वर्मा , प्रताप नगर मंडल अध्यक्ष अजय पारीक , भाजपा जयपुर शहर जिला कार्यकारिणी सदस्य एवम बगरू विधानसभा के सोशल मीडिया संयोजक राजीव दाधीच , वार्ड 104 के पार्षद अरुण शर्मा , मंडल महा मंत्री मुकेश राणा , सुरेश मीना , महिला मंडल अध्यक्ष कीर्ति शर्मा , बद्री नारायण मीणा, देवेंद्र सांवरिया , हनुमान मीना , सुभाष दीक्षित , राजेश चौधरी , सुनीता वैष्णव सहित अनेकों भाजपा पद्ममाधिकारी और कार्यकर्ता व नागरिक उपस्थित रहे ।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सांगरिया में टीचर की कमी

डूंगला चित्तौड़गढ़

डूंगला। क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सांगरिया में पिछले एक वर्ष से टिचर कि कमी होने से बालक बालिकाओं को सही तरीके से शिक्षा नहीं मिल पा रही है इस विद्यालय में पहले कुल नामांकन 340 होता था पर वर्तमान में इस विद्यालय में कुल नामांकन 320 ही रह गया है टिचर की कमी से कहीं लोग अपने बच्चे बच्चों कि टिसी कटवा कर किसी प्राइवेट स्कूलों मे जाने को मजबुर टिचर की कमी होने के वजह बच्चों कि पढ़ाई सही नहीं हो पा रही है इस विद्यालय में वर्तमान में कुल 6 टिचर है और कुल नामांकन 320 है 6 टिचर 320 विद्यार्थियों को केसे पढ़ाई करवा सकते हैं इस कारण से इस विद्यालय से लोग टिसी कटवा कर प्राईवेट स्कूल में एडमिशन ले रहे हैं गांव के वरिष्ठ नागरिक और भामाशाह औ ने बताया कि हमारे गांव का डूंगला उपखण्ड क्षेत्र में नम्बर वन विद्यालय माना जाता है पर दुःख इस बात का है अभी वर्तमान में इस विद्यालय में टिचर कि कमी हो के कारण हमारे विद्यालय में पढ़ाई सही तरीके से बच्चों को नहीं मिल रही है।

Marudharhind24 news Private Limited के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित, एवं जीवन सिंह पुरा शामदा अलवर से प्रकाशित। मो.99281-68697, 7014373732, 90797 24256